RNI. NO. RAJHIN/2021/82156 | डाक पंजीयन संख्याः RJ/ALW/866/2023

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा

जज्बा सच दिखाने का

वर्ष -06 | अंक -16 | मूल्यः 2.00 रू. | अलवर, सोमवार 30 मार्च 2026 | प्रभात संस्करण | कुल पेज- 8

WWW.Voiceofpratigya.com | Twitter.com/Voiceofpratigya | facebook.com/Voiceofpratigya | YouTube.com/Voiceofpratigya | Instagram- Instagram.com/Voiceofpratigya | 9414508610 | pratigya.alwar@gmail.com

केरल चुनाव में पिछले 'सबक' से सतर्क कांग्रेस हाईकमान, पार्टी ने रोकी गुटबाजी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

केरल के विधानसभा चुनाव में 2021 में हुई चूक से सबक लेते हुए कांग्रेस हाईकमान ने इस बार सूबे के शीर्ष नेताओं के बीच गुटबाजी को लगभग पूरी तरह थाम लिया है। इस कड़ी में लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात के बाद सूबे के वरिष्ठ लोकसभा सांसद के सुधाकरण का पार्टी के चुनाव अभियान में पूरी शिद्दत से शामिल होने का एलान कांग्रेस नेतृत्व के लिए राहतकारी है।

कांग्रेस हाईकमान ने पार्टी को किया एकजुट

वामपंथी दलों के नेतृत्व वाली एलडीएफ सरकार के आक्रामक चुनावी अभियान को देखते हुए चुनाव के दौरान केरल कांग्रेस की एकजुटता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के लिए अहम चुनौती थी। इसमें संदेह नहीं कि चाहे के सुधाकरण हों या तेज-तर्रार सांसद शशि थरूर, वीडी सतीशन, रमेश चेन्निथेला से लेकर के मुरलीधरन जैसे नेताओं को गुटीय दायरे से बाहर लाकर एकजुट करने की इस पहल में राहुल गांधी ने सबसे अहम सक्रिय भूमिका निभाई है।

विधानसभा चुनाव का टिकट नहीं देने से नाराज सुधाकरण को साधने की पहल इसका ताजा प्रमाण है। कांग्रेस नेतृत्व वाले यूडीएफ गठबंधन के सत्ता में आने की संभावनाओं को देखते हुए स्वाभाविक रूप से केरल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राज्य के नेतृत्व के लिए अपनी दावेदारी ठोकने का मौका गंवाना नहीं चाहते। इसके मद्देनजर ही सुधाकरण समेत कुछ अन्य लोकसभा सांसद विधानसभा चुनाव लड़ने का दबाव बना रहे थे मगर हाईकमान ने सांसदों को विधानसभा टिकट नहीं देने का सैद्धांतिक फैसला कर इन सबकी राह रोक दी। इससे नाराज सुधाकरण कांग्रेस के चुनाव कार्यक्रमों में शरीक नहीं हो रहे थे। कभी वामपंथी दलों का गढ़ रहे कन्नुर तथा आस-पास के जिले में कांग्रेस को ताकतवर बनाने में सुधाकरण की बड़ी भूमिका रही है और उनका प्रभाव भी है। इसलिए कोई जोखिम न लेते हुए राहुल गांधी ने सीधे सुधाकरण को फोन कर शनिवार को दिल्ली बुलाया। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के अस्पताल में भर्ती होने के कारण राहुल केरल के चुनावी दौरे अभी नहीं कर पा रहे हैं। मल्लिकार्जुन खरगे के साथ उनके आवास पर सुधाकरण की बैठक हुई जिसमें राहुल गांधी तथा कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भी शामिल हुए और उन्हें चुनाव में सक्रिय रूप से जुट जाने के लिए राजी कर लिया गया। राहुल गांधी ने सुधाकरण तथा उनके परिवार संग हुई मुलाकात की तस्वीरें खुद एक्स पर साझा कर उनकी प्रशंसा करते हुए कहा कि के सुधाकरण ने केरल की जनता के लिए संघर्ष करते हुए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया है। हर तूफान, हर चुनौती और हर परीक्षा में उनमें एक सच्चे कांग्रेसी सिपाही जैसी ताकत और निष्ठा है। केरल कांग्रेस की इस बार दिख रही इस एकजुटता का यह उत्साह ही है कि राहुल गांधी ने इसी पोस्ट में यूडीए के एकजुट और मजबूत होने की बात करते हुए केरल में 100 सीटों के साथ एक जबरदस्त जीत की ओर बढ़ने का दावा करने से गुरेज नहीं किया।वस्तुतः केरल के चुनाव में कांग्रेस और राहुल गांधी की ओर से पहली बार एक निश्चित संख्या में सीटें जीतने का यह दावा किया गया। केरल का चुनावी मिजाज बीते कई दशकों से हर पांच साल में सत्ता बदलने का रहा था, मगर 2021 में एलडीएफ ने लगातार दूसरी बार सत्ता हासिल कर सबको हैरान कर दिया था और यूडीएफ की पराजय की सबसे बड़ी वजह कांग्रेस की गुटबाजी को माना गया था। 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद कई राज्यों के चुनाव में मिली मात को देखते हुए पार्टी हाईकमान केरल को लेकर इसीलिए सतर्क है और तभी कुछ महीने पहले राहुल गांधी तथा खरगे ने कांग्रेस की लाइन-लेंथ से इतर चल रहे शशि थरूर को बुलाकर दो घंटे बातचीत कर उनकी नाराजगी थामी। परिणामस्वरूप शशि थरूर केरल चुनाव में अभी कांग्रेस के प्रचार अभियान में अपनी ऊर्जा झोंक रहे हैं। इसी तरह केरल में नेता विपक्ष वीडी सतीशन हों या वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथेला दोनों मुख्यमंत्री पद के लिए उनके उछाले जा रहे नाम को एक सुर से यह कहते हुए नकार रहे कि कांग्रेस नेतृत्व चुनाव बाद इसका फैसला करेगा। हाईकमान ने जहां सूबे के शीर्ष नेताओं को पूरी तरह साध लिया है वहीं केसी वेणुगोपाल जिला स्तर पर टिकट बंटवारे के बाद उभरे कुछ स्थानीय नेताओं के असंतोष को थाम टीम कांग्रेस के मैदान में होने का संदेश देने में जुटे है

भारत के लिए खुशखबरी, 94000 मीट्रिक टन वाले 2 एलपीजी टैंकर ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को किया पार, भारतीय नौसेना तैनात

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

होर्मुज जलडमरूमध्य में युद्ध जैसे हालात के बीच भारत के लिए राहत की खबर आई है। देश के दो और एलपीजी टैंकर सुरक्षित रास्ता पार कर भारत की ओर बढ़ रहे हैं। ये टैंकर देश की एक दिन की रसोई गैस की जरूरत पूरी करने जितनी गैस लेकर आ रहे हैं। इसी बीच सरकार ने भी साफ कहा है कि देश में गैस और ईंधन की कमी नहीं है और लोगों को घबराकर खरीदारी नहीं करनी चाहिए। सरकारी जानकारी के मुताबिक, बीडब्ल्यू टीवाईआर और बीडब्ल्यू ईएलएम नाम के दो एलपीजी जहाज करीब 94 हजार टन गैस लेकर होर्मुज पार कर चुके हैं। बीडब्ल्यू टीवाईआर 31 मार्च तक मुंबई पहुंचेगा, जबकि बीडब्ल्यू ईएलएम अप्रैल तक न्यू मैंगलोर पहुंचेगा। इस्राइल और अमेरिका के हमलों और ईरान की जवाबी कार्रवाई के कारण इस रास्ते पर जहाजों की आवाजाही लगभग रुक गई थी। हालांकि अब कुछ जहाज सुरक्षित निकलने लगे हैं। इससे पहले चार भारतीय टैंकर भी सुरक्षित भारत पहुंच चुके हैं। पाइन गैस और जग वसंत करीब 92,612 टन गैस लेकर 26 से 28 मार्च के बीच भारत पहुंचे। वहीं, एमटी शिवालिक और एमटी नंदा देवी भी इससे पहले गुजरात के मुंद्रा और कांडला बंदरगाह पहुंच चुके हैं। इससे देश में गैस सप्लाई को बड़ी राहत मिली है। भारत अपनी करीब 60 प्रतिशत रसोई गैस जरूरत आयात से पूरी करता है। देश में पिछले साल 33.15 मिलियन टन एलपीजी की खपत हुई। इसमें से करीब 90 प्रतिशत गैस पश्चिम एशिया से आती है। ऐसे में होर्मुज रास्ता बंद होने का सीधा असर भारत की सप्लाई पर पड़ता है। अब भारत अमेरिका और अर्जेंटीना जैसे देशों से भी गैस मंगा रहा है। सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी 10 रुपये प्रति लीटर घटा दी है। वहीं डीजल और एटीएफ पर निर्यात शुल्क बढ़ाया गया है। गैस सेक्टर में घरों और ट्रांसपोर्ट को 100 प्रतिशत सप्लाई दी जा रही है। उद्योगों को सीमित गैस दी जा रही है। साथ ही पीएनजी कनेक्शन तेजी से बढ़ाए जा रहे हैं, ताकि एलपीजी पर दबाव कम हो। सरकार ने साफ कहा है कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है।

रोजाना 55 लाख से ज्यादा सिलेंडर की डिलीवरी हो रही है। हालांकि अफवाहों के कारण कुछ जगहों पर भीड़ देखी गई। सरकार ने लोगों से अपील की है कि वे घबराकर खरीदारी न करें और अफवाहों पर भरोसा न करें। सरकार के अनुसार, अभी भी 18 भारतीय जहाज और 485 नाविक पश्चिमी फारस की खाड़ी में मौजूद हैं। कुछ जहाज अभी भी होर्मुज के पास हैं और हालात सामान्य होने का इंतजार कर रहे हैं। डीजी शिपिंग लगातार 24 घंटे काम कर रहा है और अब तक 900 से ज्यादा नाविकों को सुरक्षित वापस लाया जा चुका है।

हम इंतजार कर रहेः ईरान की अमेरिका को कड़ी चेतावनी, कहा- जमीनी हमले का अंजाम भुगतना होगा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तेहरान

ईरान ने अमेरिका के संभावित जमीनी हमले के खिलाफ कड़ी चेतावनी दी है। उसने कहा है कि अगर अमेरिका जमीनी हमला करता है, तो उसे अंजाम भुगतना होगा। ईरान का यह भी कहना है कि ईरानी सेनाएं जमीन पर अमेरिकी सेना का इंतजार कर रही है, ताकि उन्हें जलाकर राख कर सके। ईरान की यह चेतावनी तब आई है, जब ऐसी आशंकाएं जताई गई है कि अमेरिका जल्द ही ईरान पर जमीनी कार्रवाई शुरू कर सकता है। इस बीच अमेरिका ने मध्य पूर्व में अपनी सैन्य तैनाती को बढ़ा दिया है। एक और अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस जॉर्ज डब्लू बुश मध्य पूर्व की ओर बढ़ रहा है। ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकिर कालिबफ ने कहा, 'हमारी गोलीबारी जारी है। हमारी मिसाइलें अपनी जगह पर तैनात हैं। हमारा संकल्प और विश्वास और बढ़ गया है।' उन्होंने यह भी कहा कि 'ईरानी सेना अमेरिकी सैनिकों को उनके कर्मों की सजा देने को तैयार है।' इस बीच तुर्की, मिस्र और सऊदी अरब के प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान में मिलकर पश्चिम एशिया में लड़ाई को खत्म करने के तरीकों पर चर्चा कर रहे हैं। वहीं, अमेरिका ने मध्य पूर्व क्षेत्र में 2,500 मरीन सैनिकों को तैनात किया है। दूसरी ओर, इजरायल लेबनान में अपने हमले का दायरा बढ़ाने की योजना बना रहा है, ताकि उस देश के दक्षिण में 'मौजूदा सुरक्षा पट्टी' का विस्तार किया जा सके। इसके साथ ही इजरायल ने ईरान समर्थित हिजबुल्ला के खिलाफ भी हमले तेज किए हैं। इजरायली हमलों में हिजबुल्ला के कई शीर्ष नेता मारे गए हैं। हालांकि, हिजबुल्ला का दावा है कि उसने इजरायल के 100 टैंकों को नष्ट कर दिया है, जिसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। इस बीच ईरान के एक और सहयोगी यमन के हूती विद्रोहियों ने शनिवार को इस संघर्ष में शामिल होने का ऐलान किया है। उन्होंने इजरायल के खिलाफ बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया है। इससे एक और महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य के बंद होने का खतरा मंडराने लगा है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से ही होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते ऊर्जा के प्रवाह पर विराम लग गया है। इस कारण दुनिया के कई देशों में ऊर्जा संकट पैदा हो गया है। होर्मुज के रास्ते दुनिया की कुल ऊर्जा आपूर्ति का पांचवां हिस्सा निकलता है।

सीएम भजनलाल का गहलोत पर पलटवार

राजस्थान में 'इंतजार शास्त्र' से शुरू हुई सियासी बहस ने लिया नया मोड़

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

राजस्थान की सियासत में इन दिनों सियासी बयानबाज़ी का पारा चढ़ा हुआ है और एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप का दौर जारी है. एक तरफ पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की 'इंतज़ार शास्त्र' की सीरिज है तो दूसरी तरफ मंत्री पुत्रों को लेकर दिए गए उनके बयान के बाद शुरू हुई सियासी बयानबाजी है. अब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अशोक गहलोत पर पलटवार करते हुए सोनिया गांधी पर भी निशाना साधा है. अब यह सियासी जंग 'परिवारवाद', 'भ्रष्टाचार' और 'राजनीतिक प्रासंगिकता' के मुद्दों तक पहुंच गई है. पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के मंत्री पुत्रों की सियासत में दखल को लेकर दिए बयान पर अब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पलटवार किया है. उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसे लोगों के लिए संवेदना है, जो खुद को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए बयानबाज़ी कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि मंत्री पुत्रों को लेकर दिए गए बयान देने वालों को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए. सोनिया गांधी और राजस्थान में अशोक गहलोत ने अपने पुत्रों को सियासत में स्थापित करने की कोशिश की लेकिन सफल नहीं हो पाए. उन्होंने सचिन पायलट का बिना नाम लिए कहा कि वो नेता जिन्हें कभी अशोक गहलोत निकम्मा नाकारा कहते थे, आज वही नेता कांग्रेस में उनसे ज्यादा ताकतवर हैं. मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि गहलोत को इस बात की तकलीफ है कि कांग्रेस में अन्य नेताओं की भूमिका बढ़ रही है. इसलिए वे 'इंतज़ार शास्त्र' के नाम पर 'झूठ का शास्त्र' चला रहे हैं. भजनलाल शर्मा ने गहलोत सरकार के कार्यकाल पर भी गंभीर आरोप लगाए. मुख्यमंत्री ने बिना नाम लिए कांग्रेस नेता सचिन पायलट की अजमेर से जयपुर तक की पदयात्रा का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा कि गहलोत सरकार के दौरान ही उनके एक नेता ने भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम छेड़ी थी, जिसे पूरे प्रदेश ने देखा. उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन में घोटाला, पेपर लीक और किसानों के साथ अन्याय जैसे मुद्दों को जनता भली-भांति जानती है. प्रदेश की जनता ने इन्हें इसलिए घर बैठाया है क्योंकि इनके शासन में भ्रष्टाचार हुआ, युवाओं के सपने टूटे, पेपर लीक हुए और किसानों के साथ खिलवाड़ हुआ. कुल मिलाकर, 'इंतज़ार शास्त्र' से शुरू हुई सियासी बहस अब परिवारवाद और भ्रष्टाचार के आरोप-प्रत्यारोप तक पहुंच गई है.

फालना में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, मशहूर न्यूरो सर्जन से मरीजों को मिला लाभ

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बाली/फालना

आरसी मेमोरियल हॉस्पिटल फालना में आयोजित निःशुल्क हेल्थ चेकअप कैंप में देश के विभिन्न शहरों–बैंगलोर, उदयपुर और मुंबई–से आए प्रसिद्ध न्यूरो सर्जन डॉ. अमितेंदु शेखर ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। इस दौरान क्षेत्र के कई मरीजों ने विशेषज्ञ परामर्श लेकर लाभ उठाया। शिविर के दौरान पूर्व विधायक एवं आरसी मेमोरियल हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. भैरू सिंह गुर्जर ने भी डॉ. शेखर से मुलाकात की और उनके कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य अय्यूब जई (प्रदेश सचिव, रकमा राजस्थान; अध्यक्ष वरिष्ठ नागरिक सेवा समिति बाली; परामर्शदाता पेंशनर समाज उप शाखा बाली) ने भी डॉक्टर की सेवाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी विशेषज्ञता और अनुभव से अनेक मरीज लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने बताया कि डॉ. अमितेंदु शेखर दिमागी ट्यूमर, रीढ़ की हड्डी की समस्याएं, मिर्गी, स्ट्रोक, सिर की चोट (हेड इंजरी) जैसे जटिल रोगों के विशेषज्ञ हैं। विशेष रूप से एक्सीडेंटल केस में सिर की गंभीर चोट के इलाज में उनकी दक्षता उल्लेखनीय है। अय्यूब जई ने आरसी मेमोरियल हॉस्पिटल प्रबंधन से आग्रह किया कि डॉ. शेखर की नियमित सेवाएं फालना में उपलब्ध करवाई जाएं। उन्होंने कहा कि गोड़वाड़ क्षेत्र, विशेषकर बाली ब्लॉक में न्यूरो सर्जन की कमी है, जिसके कारण स्ट्रोक और हेड इंजरी के मरीजों को समय पर उपचार नहीं मिल पाता और उनकी जान को खतरा बना रहता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यदि ऐसे विशेषज्ञ डॉक्टर की नियमित सेवाएं क्षेत्र में मिलती हैं तो गंभीर मरीजों को समय रहते बेहतर इलाज मिल सकेगा और कई कीमती जानें बचाई जा सकेंगी।

नामदेव छीपा समाज परिक्षेत्र रानी का द्वितीय स्नेह मिलन समारोह सम्पन्न हुआ

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा रानी

नामदेव छिपा समाज का द्वितीय स्नेह मिलन कार्यक्रम भगवान नामदेव महाराज की प्रतिमा पर पुष्प हार अर्पित कर दीप प्रज्वलित शुभारंभ किया गया ! समाहरोह में बड़ी संक्या में समाज बंधुओ ने भाग लिया ! समाहरोह में गरबा नृत्य का आयोजन किया गया जिसमे समाज के लोगो ने बढ़ चढ़ कर हिस्कसा लिया साथ ही बच्चो ने भी न्रत्य कर सभी का मन मोह लिया ! समाज के अध्यक्ष हरीश गहलोत ने समाज के विकास पर विचार व्यक्त करते हुए कहा की वे सभी समाज बंधुओं के दुःख सुख में सदेव उनके साथ खड़े है ! समारोह में समाज हेतु भूखंड क्रय के विचार किया गया जिस पर समाज को लगभग 35 भामाशाह द्वारा तकरीबन 21-25 लाख रुपये की धनराशि दान करने की घोषणा का संकल्प पत्र भरकर समाज को अग्रसर व संगठित होकर ऊँची उड़ान भरने को प्रोत्साहित किया समारोह में विभिन्न व्यवस्था करने वाले भामाशाह को सम्मानित किया गया समारोह में मंच संचालन दिल्लु राजा हसमुख परमार नरेन्द्र परमार एवं मनीष परमार ने किया अध्यक्ष हरीश गहलोत ने समाज विकास हेतु विस्तृत योजना पर प्रकाश डाला ! इस अवसर पर समाज के बुजुर्ग सहित युवा एवं महिला उपस्थित रहे

महावीर जयंती के अवसर पर निकली भव्य अहिंसा रैली

अकलंक विद्यालय, रामपुरा के विद्यार्थियों ने प्रस्तुत की प्रेरणादायक झांकी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटा

महावीर जयंती के पावन अवसर पर सकल जैन समाज द्वारा अहिंसा रैली का आयोजन किया गया, जिसमें अकलंक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, रामपुरा, कोटा के छात्रों एवं शिक्षिकगण ने बढ़-चढ़कर उत्साहपूर्वक भाग लिया। एसोसिएशन के अध्यक्ष पीयूष बज एवं सचिव अनिमेष जैन नेबताया कि इस अवसर पर विद्यालय द्वारा भगवान महावीर स्वामी एवं चंदनबाला की कथा पर आधारित एक आकर्षक झांकी प्रस्तुत की गई। प्राचार्य डा. नीता औदिच्य ने बताया कि शाला के विद्यार्थियो के साथ स्कूल की अध्यापिका भी उनका हौसला बडती चल रही थी। झांकी के माध्यम से त्याग, करुणा, समानता, धैर्य एवं अटूट श्रद्धा का प्रेरणादायक संदेश समाज को प्रदान किया गया। यह पदयात्रा प्रातः 7:30 बजे जैन महावीर नगर, सेक्टर-1 से प्रारंभ होकर दानबाड़ी में संपन्न हुई। रैली में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। झांकी में 10 विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही, जिन्ह पदयात्रा पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया। इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों एवं समाज में अहिंसा, सद्भावना एवं मानवीय मूल्यों के प्रति जागरूकता का संदेश प्रसारित किया गया।

नेता प्रतिपक्ष जूली ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को दिया संगठनात्मक मजबूती का मंत्र, बोले जनता के मुद्दों को उठाना प्राथमिकता

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने बहादुरपुर नगर पालिका में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक मजबूती का जहां मंत्र दिया वहीं बोले जनता के मुद्दों को उठाना हमारी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। जूली ने कहा कि विपक्ष जयकारों के लिए नहीं बना है बल्कि उनका मकसद आमजन की समस्याओं के समाधान और उनके हक की लड़ाई के लिए आवाज बुलंद करना है। जूली रविवार को बहादुरपुर कांग्रेस नगर अध्यक्ष धीरज शर्मा के शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित कांग्रेस जन को संबोधित कर रहे थे। जूली ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बूथ स्तर तक संगठन को जहां मजबूत करने और जनसंपर्क बढ़ाने के लिए प्रेरित किया वहीं भारतीय जनता पार्टी की कूट नीतियों पर जमकर प्रहार किया। जूली ने भारतीय जनता पार्टी की लोकतंत्र विरोधी नीतियों को उजागर करते हुए कहा कि राजस्थान प्रदेश सहित पूरे देश में भाजपा की नीतियों से आमजन बेहाल है। उन्होंने कहा कि राजस्थान प्रदेश के इससे बुरे दिन कभी नहीं आए, जूली बोले सरकार के मुखिया दिल्ली में हाजिरी लगा रहे हैं और प्रदेश की जनता अपने अधिकारों और हक के लिए संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा कि महंगाई ने जहां आम आदमी की कमर तोड़कर रख दी है वहीं गरीब दो वक्त के निवाले के लिए तरस रहा है। यह सरकार नौकरी के नाम पर बेरोजगारों के साथ धोखा कर रही हैं। जूली का बहादुरपुर के कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत,निकाली बाइक ट्रैक्टर रैली नेता प्रतिपक्ष एवं अलवर ग्रामीण विधायक टीकाराम जूली का कांग्रेस कमेटी बहादुरपुर के कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

ईएआर चुनाव सम्पन्न : कोटा के वी.के. जेटली वरिष्ठ उपाध्यक्ष निर्वाचित, एन.के. जैन 12वीं बार अध्यक्ष

नई औद्योगिक इकाइयों को प्रोत्साहित कर रोजगार सृजन को गति दी जाएगी – वी.के. जेटली

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटा

एम्प्लॉयर्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (EAR) के चुनाव वरिष्ठ अधिवक्ता आलोक फतेहपुरिया द्वारा शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए। चुनाव परिणामों में कोटा के उद्योग जगत के वरिष्ठ प्रतिनिधि वी.के. जेटली को एसोसिएशन का वरिष्ठ उपाध्यक्ष निर्वाचित किया गया, जिससे हाड़ौती क्षेत्र की औद्योगिक भागीदारी को संगठन में महत्वपूर्ण मजबूती मिली है। निर्वाचन अधिकारी द्वारा घोषित परिणामों के अनुसार एन.के. जैन को सर्वसम्मति (निर्विरोध) से लगातार 12वीं बार एसोसिएशन का अध्यक्ष चुना गया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनने के बाद वी.के. जेटली ने कहा कि कोटा का औद्योगिक क्षेत्र अपार संभावनाओं से भरपूर है और इसे सशक्त बनाने के लिए उद्योगों के बीच बेहतर समन्वय, नवाचार और निवेश को बढ़ावा देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन के माध्यम से कोटा सहित हाड़ौती क्षेत्र के उद्योगों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से राज्य स्तर पर उठाया जाएगा तथा नई औद्योगिक इकाइयों को प्रोत्साहित कर रोजगार सृजन को गति दी जाएगी। अपने संबोधन में अध्यक्ष एन.के. जैन ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए संगठन के हित में निरंतर कार्य करने तथा औद्योगिक विकास को गति देने का संकल्प दोहराया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष एसोसिएशन की थीम 'इंडस्ट्री कनेक्ट, कैटलाइज एंड कोलेबोरेट' रखी गई है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष एन.के. जैन ने कार्यकारिणी का गठन करते हुए ए.के. जैन को मुख्य सलाहकार, जबकि वी.के. जेटली को वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किया। इसके अलावा बिमल चौधरी, मनीष गुप्ता, निगम प्रकाश, रुपिन काला (अधिवक्ता), अशोक कुमार अग्रवाल एवं दिनेश गुप्ता (सेकावटी इंपेक्स) को उपाध्यक्ष बनाया गया। एस.के. पाटनी को सचिव का दायित्व सौंपा गया है। चुनाव प्रक्रिया के अंतर्गत औद्योगिक श्रेणी में पूरे राजस्थान से 36 सदस्यों, प्रोफेशनल श्रेणी में 12 सदस्यों तथा औद्योगिक एसोसिएशन श्रेणी में 5 सदस्यों का चयन भी किया गया।

पिंडवाड़ा में फिर लूट का प्रयासः कानून-व्यवस्था पर सवाल, व्यापारियों में उबाल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा पिंडवाड़ा

शहर के मुख्य बाजार में लगातार बढ़ती आपराधिक घटनाओं के बीच एक बार फिर लूट के प्रयास की वारदात ने पुलिस व्यवस्था की पोल खोल दी है। ताजा घटना में महेश ज्वेलर्स की दुकान पर पहुंचे एक युवक ने लूट की कोशिश की, लेकिन व्यापारी की सतर्कता के चलते वह अपने मंसूबों में सफल नहीं हो सका और मौके से फरार हो गया।घटना के बाद पूरे बाजार क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते बड़ी संख्या में व्यापारी और स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए। लोगों के चेहरों पर डर और गुस्सा साफ नजर आया। लगातार हो रही चोरी और लूट की घटनाओं ने व्यापारियों की नींद उड़ा दी है, वहीं आमजन खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है।व्यापारियों का कहना है कि पिछले दो महीनों में मुख्य बाजार और आसपास के क्षेत्रों में कई आपराधिक घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन पुलिस एक भी आरोपी को पकड़ने में नाकाम रही है। कई मामलों में व्यापारियों द्वारा सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को सौंपे गए, बावजूद इसके कोई ठोस कार्रवाई नहीं होना पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि पुलिस की निष्क्रियता और ढिलाई के कारण अपराधियों के हौसले बुलंद हो रहे हैं। उनका कहना है कि जब अपराधी खुलेआम वारदात कर फरार हो जाते हैं और पुलिस उन्हें पकड़ नहीं पाती, तो यह संदेश जाता है कि कानून का डर खत्म हो चुका है।सीआई महेंद्र सिरवी के कार्यक्षेत्र में लगातार बढ़ रहे अपराधों को लेकर भी जनता में नाराजगी है। लोगों का साफ कहना है कि यदि समय रहते सख्त और प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो पिंडवाड़ा अपराधियों के लिए सुरक्षित ठिकाना बन जाएगा।

रामगढ़ में रेलवे ओवरब्रिज निर्माण का विरोध

संघर्ष समिति ने कहा- पुल बनने से दुकानदारों को होगा नुकसान, अंडर पास बनाया जाए

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

रामगढ़ बचाओ संघर्ष समिति ने रविवार दोपहर रामगढ़ कस्बे के बस स्टैंड स्थित यादव समाज मंदिर में एक बैठक आयोजित की। इसमें नगर पालिका क्षेत्र के व्यापारी, किसान और दुकानदार बड़ी संख्या में शामिल हुए। बैठक में नेशनल हाईवे 248 पर प्रस्तावित रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण का विरोध किया गया और बाईपास की मांग उठाई गई। समिति ने नेशनल हाईवे 248 पर प्रस्तावित रेलवे ओवरब्रिज निर्माण का कड़ा विरोध किया। सदस्यों का तर्क है कि ओवरब्रिज बनने से हाईवे के किनारे स्थित कई दुकानें और मकान प्रभावित होंगे, जिससे स्थानीय व्यापार और लोगों की आजीविका पर सीधा नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। हाईकोर्ट एडवोकेट संदेश खंडेलवाल ने बैठक में बताया- नेशनल हाईवे का विस्तार कर इसे 6 लेन बनाने की योजना है। रामनगर से निवाली तक सडक़ के दोनों ओर चिन्हांकन किया जा चुका है। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम का हवाला देते हुए कहा कि केंद्र बिंदु से लगभग 75 मीटर तक भूमि अधिग्रहण का प्रावधान लागू हो सकता है, जिससे बड़ी संख्या में लोग प्रभावित होंगे। व्यापारियों और स्थानीय निवासियों ने सर्वसम्मति से मांग की कि रामगढ़ में रेलवे ओवरब्रिज के बजाय अंडरपास का निर्माण किया जाए। इसका उद्देश्य बाजार और रिहायशी क्षेत्रों को नुकसान से बचाना है। इसके अतिरिक्त, कस्बे के बाहर से बाईपास रोड निकालने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई, ताकि भारी वाहनों का दबाव कम हो और शहर का सुनियोजित विकास हो सके। समिति ने तर्क दिया कि अगर पहले ओवरब्रिज पर करोड़ों रुपए खर्च किए जाते हैं, तो भविष्य में बाईपास का निर्माण संभव नहीं हो पाएगा। इसलिए, दीर्घकालिक समाधान के रूप में बाईपास और अंडरपास को ही बेहतर विकल्प माना गया। समिति ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि इन मांगों को प्रशासन और सरकार के समक्ष मजबूती से प्रस्तुत किया जाएगा, ताकि रामगढ़ कस्बे को संभावित नुकसान से बचाया जा सके। बैठक में शमशेर सिंह, रमेश चंद्र, परमजीत सिंह, मनीष खंडेलवाल, मनोज सतीजा, योगेश जैन, सुनील सोनी, सेठु गुप्ता सहित कई प्रमुख नागरिक उपस्थित थे।

टेंपो में 4 दिन तक सड़ते रहे 4 मृत गोवंश, बदबू से लोगों का जीना मुहाल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर शहर से नगर निगम प्रशासन की संवेदनहीनता और लापरवाही का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने पूरी व्यवस्था पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। शहर के बुध विहार स्थित कांजी हाउस में पिछले चार दिनों से एक लोडिंग टेंपो में चार मृत गोवंश लावारिस हालत में पड़े-पड़े सड़ते रहे, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों को इसकी भनक तक नहीं लगी। इस लापरवाही के कारण पूरे इलाके में इतनी भयंकर दुर्गंध फैल गई कि आसपास रहने वाले सैकड़ों परिवारों का खाना-पीना और सोना दूभर हो गया है। रविवार को जब इस घटना का वीडियो वायरल हुआ और स्थानीय लोगों का गुस्सा फूटा, तब जाकर कुंभकर्णी नींद में सोया प्रशासन हरकत में आया। लोगों का कहना है कि परिसर के अंदर खड़े एक टेंपो में चार मृत गायों को भरकर छोड़ दिया गया था। चार दिनों से चिलचिलाती धूप और गर्मी के कारण उठने वाली सड़ांध अब बर्दाश्त से बाहर हो चुकी है। बदबू इतनी खतरनाक है कि पूरे इलाके के अंदर फैल चुकी है। आलम यह है कि लोग ठीक से खाना तक नहीं खा पा रहे और रात भर बदबू के कारण नींद नहीं आती। रविवार को मोहल्ले के लोगों ने एकजुट होकर विरोध दर्ज कराया। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि नगर निगम की कार्यप्रणाली बिलकुल सुस्त है। कांजी हाउस की दुर्दशा कोई नई बात नहीं है। मानसून के दौरान भी यहां जलभराव और गंदगी का अंबार लगा रहता है, जिसकी शिकायतें कई बार की जा चुकी हैं, लेकिन कोई स्थाई समाधान नहीं निकलता। अब तो हद ही हो गई कि मृत पशुओं को खुले वाहन में लादकर चार दिन तक छोड़ दिया गया। यह न केवल पशुओं के प्रति क्रूरता है, बल्कि स्थानीय निवासियों के स्वास्थ्य के साथ भी बड़ा खिलवाड़ है। संक्रमण फैलने के डर से अब मोहल्ले के लोग डरे हुए हैं। मामले के तूल पकडऩे के बाद नगर निगम ने कहा कि जैसे ही उन्हें इस स्थिति की जानकारी मिली, तुरंत समाधान के निर्देश दिए गए। हालांकि, उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्होंने एक दिन पहले ही कांजी हाउस का दौरा किया था और तब ऐसी स्थिति नहीं थी। कमिश्नर के इस दावे पर स्थानीय लोगों ने सवाल उठाए हैं कि अगर उन्होंने दौरा किया था, तो उन्हें वहां खड़ा सड़ांध मारता टेंपो क्यों नहीं दिखा? फिलहाल, रविवार दोपहर विरोध के बाद नगर निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर मृत गोवंश को वहां से हटवाकर निस्तारित किया है, लेकिन इस घटना ने स्वच्छता के दावों की पोल खोलकर रख दी है।

काशवी सोडानी के नए म्यूजिक एल्बम मत कर माया को अभिमान का हुआ गरिमामय विमोचन

भजन संध्या में गूंजी काशवी की सुरीली आवाज, पूज्य राधा कृष्ण जी महाराज ने लॉन्च किया भजन एल्बम

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भीलवाड़ा

भक्ति, शक्ति और नन्ही प्रतिभा के संगम ने शहर के कुमुद विहार को भक्तिमय कर दिया। अवसर था पूज्य गोवत्स श्री राधा कृष्ण जी महाराज की भव्य भजन संध्या का, जहाँ विश्व रिकॉर्ड धारक मात्र 6 वर्षीय बालिका काशवी सोडानी के नए म्यूजिक एल्बम मत कर माया को अभिमान का गरिमामय विमोचन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पूज्य महाराज ने अपने कर-कमलों से इस भजन को लॉन्च किया और काशवी की विलक्षण प्रतिभा की सराहना करते हुए उसे उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद प्रदान किया। लॉन्चिंग समारोह में बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति, संगीतकार मौजूद रहे, जिन्होंने काशवी के इस भक्तिमय प्रयास की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

मधुर आवाज में जीवन का दर्शन

अपनी छोटी सी उम्र में अपनी गायकी से दुनिया को मंत्रमुग्ध करने वाली काशवी, जो पहले ही अपना नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज करा चुकी हैं, अब एक गहरे आध्यात्मिक संदेश के साथ सामने आई हैं। भजन की पंक्तियाँ ना तेरा है न तेरा था, फिर किस बात का मान, मिट्टी में मिल जाना है, मत कर माया को अभिमान, मानवीय अहंकार को त्याग कर सादगी और भक्ति मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं।

उपलब्धियों का लंबा सफर

सुपरटैलेंटेड किड के नाम से पहचानी जाने वाली काशवी सोडानी ने अब तक वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स (लंदन), इंडियाज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स, इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड और इंडिया प्राउड अवार्ड जैसे प्रतिष्ठित सम्मान अपने नाम किए हैं। हाल ही में 78वें स्वाधीनता दिवस पर उन्हें जिला स्तर पर राज्य मंत्री, कलेक्टर, सांसद एवं विधायक द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है।

मण्डार टोल प्लाजा पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

कार से 6.319 किलो सोने के जेवरात व नगदी बरामद, तीन आरोपी गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा दांतराई

अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मण्डार पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कार से करीब 6.319 किलोग्राम सोने के जेवरात और 93,550 रुपये नगद बरामद कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जब्त सोने के जेवरात व नगदी की बाजार कीमत करीब 9 करोड़ रुपये आंकी जा रही है। मण्डार थाना प्रभारी प्रवीण कुमार आचार्य के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने 28 मार्च 2026 को मण्डार टोल प्लाजा पर नाकाबंदी के दौरान संदिग्ध वाहनों की जांच शुरू की।

जाँच में 13 प्लास्टिक पैकेट हुए बरामद, 6.319 किलोग्राम जेवरात बरामद

वाहन चेकिंग के दौरान गुजरात नंबर की एक संदिग्ध कार जीजे 01 डब्लूएच 2954 को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कार की सीटों के पीछे बॉडी में बने सिस्टम नुमा गुप्त बॉक्स से 13 प्लास्टिक पैकेट बरामद हुए। इन पैकेटों में अलग अलग प्रकार के सोने के जेवरात व नगदी रखी हुई थी। पुलिस द्वारा जांच करने पर इन जेवरातों का कुल वजन करीब 6.319 किलोग्राम पाया गया, वहीं 93,550 रुपये नकद भी बरामद किए गए। वाहन चालक सहित तीनों व्यक्तियों से पूछताछ के दौरान सोने के जेवरात व नगदी के संबंध में कोई वैध बिल या दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जा सका। पुलिस ने नियमानुसार धारा 106 बीएनएसएस के तहत सोने के जेवरात, नगदी एवं वाहन को जब्त कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। जिसमें मोहनभाई रेबारी निवासी नायता, जिला पाटन गुजरात सुरेशकुमार निवासी मोहब्बतनगर, जिला सिरोही, दिलीप निवासी मोहब्बतनगर, जिला सिरोही को गिरफ्तार किया।

इस पुलिस टीम की रही भूमिका, बरामद सोना की जुटा रही विस्तृत जानकारी

इस कार्रवाई में मण्डार थाना प्रभारी प्रवीण कुमार आचार्य सहित नरेन्द्र सिंह एएसआई, कुलदीप सिंह, आसुराम, श्रवण कुमार, हनुमान पुनिया, मोडाराम, आसुलाल व जुठाराम की टीम शामिल रही जिसको जेवरात बरामद करने में सफलता हासिल हुई। पुलिस द्वारा मामले में आगे की जांच जारी है तथा यह पता लगाया जा रहा है कि बरामद सोना कहां से लाया जा रहा था और इसका उपयोग किस उद्देश्य से किया जाना था।

सिरोही में खुलेगा केंद्रीय विद्यालय, 2 अप्रैल तक प्रवेश प्रक्रिया जारी, सांसद लुम्बाराम के प्रयास रंग सफल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा सिरोही

जिलेवासियों के लिए राहत और खुशी की खबर है। जालोर-सिरोही सांसद लुम्बाराम चौधरी के प्रयासों से सिरोही में केंद्रीय विद्यालय का संचालन शुरू होने जा रहा है। विद्यालय के लिए प्रवेश प्रक्रिया भी प्रारम्भ कर दी गई है। फिलहाल विद्यालय का संचालन अस्थायी रूप से पुराने भवन के पीछे स्थित परिसर में किया जाएगा। इसे लेकर सांसद लुम्बाराम चौधरी ने विद्यालय का निरीक्षण कर संचालन समिति से व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि तय समयसीमा में सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर विद्यालय को निर्धारित तिथि पर शुरू किया जाए। सांसद चौधरी ने बताया कि सीबीएसई से मान्यता प्राप्त केंद्रीय विद्यालय सिरोही में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। प्रारंभिक चरण में बालवाटिका-1, 2, 3 और कक्षा 1 से 5 तक कुल 8 कक्षाएं संचालित की जाएंगी। बालवाटिका-1, 2, 3 और कक्षा 1 में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन केंद्रीय विद्यालय संगठन के एडमिशन पोर्टल पर किए जा रहे हैं, जबकि कक्षा 2 से 5 तक के प्रवेश ऑफलाइन माध्यम से होंगे। सभी कक्षाओं के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 2 अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है सांसद ने अभिभावकों से अपील की कि वे इस सरकारी विद्यालय का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और समय पर अपने बच्चों का प्रवेश कराएं। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष चिराग रावल, जिला कार्यालय मंत्री बाबू सिंह माकरोडा, उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह चौहान, रमजान खान, विद्यालय प्रिंसिपल अब्दुल हबीब खान एवं प्राथमिक शिक्षक गणपत सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

श्याम रंग में डूबा किशनगढ़बास, 52वां वार्षिकोत्सव शुरू

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा किशनगढ़

खैरथल तिजारा जिले का किशनगढ़बास कस्बा इन दिनों आस्था, भक्ति और उल्लास के रंग में सराबोर नजर आ रहा है। बासकृपालनगर स्थित श्री श्याम प्रभु खाटू वाले मंदिर में आयोजित 52वें दो दिवसीय भव्य वार्षिकोत्सव की शुरुआत होते ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। पूरा कस्बा मानो खाटूनगरी का रूप ले चुका है। उत्सव के पहले दिन ध्वजा पदयात्रा, भजनों की गूंज और जगह-जगह लगे भंडारों ने वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। श्याम बाबा विकास समिति के जयप्रकाश गुर्जर के अनुसार रविवार को झंडारोहण के साथ कार्यक्रमों का शुभारंभ हुआ। इसके बाद श्रद्धालु ध्वज लेकर पदयात्रा में शामिल हुए और जयकारे लगाते हुए मंदिर पहुंचे। पदयात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए जगह-जगह भंडारों का आयोजन किया गया, जहां भक्तों को छोले, हलवा, मीठा पानी और अन्य पेय पदार्थ वितरित किए गए। श्याम बाबा के भजनों की मधुर धुनों ने पूरे क्षेत्र को भक्ति रस में डुबो दिया।

आज निकलेगी भव्य रथ यात्रा और झांकियां

वार्षिकोत्सव के तहत शाम को भव्य रथ यात्रा और आकर्षक झांकियों का आयोजन होगा। यह शोभायात्रा मंदिर परिसर से शुरू होकर कस्बे के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए पुनः मंदिर पहुंचेगी। रास्ते में श्रद्धालुओं द्वारा पुष्प वर्षा, गुब्बारों की सजावट और स्वागत स्टॉल लगाए जाएंगे, जो आयोजन की शोभा को और बढ़ाएंगे।

गीता से जीवन का मार्गदर्शन, भिवाड़ी में आज प्रेरणादायी सत्र

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

आज के तेजी से बदलते दौर में जहाँ व्यक्ति निर्णयों की दुविधा और मानसिक तनाव से जूझ रहा है, वहीं भारतीय ज्ञान परंपरा का अमूल्य ग्रंथ श्रीमद्भगवद्गीता जीवन को सही दिशा देने का मार्ग प्रशस्त करता है। इसी उद्देश्य के साथ भारत विकास परिषद - भिवाड़ी द्वारा आज, सोमवार 30 मार्च को 'गीता के माध्यम से अपनी आंतरिक क्षमता को जागृत करें' विषय पर एक विशेष प्रेरणादायी सत्र का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम प्रातः 10:30 बजे RPS पब्लिक स्कूल, धारूहेड़ा के मुख्य सभागार में आयोजित होगा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रख्यात स्पिरिचुअल मोटिवेशनल स्पीकर डॉ. मोनिका रस्तोगी गीता के गहन ज्ञान को सरल एवं व्यवहारिक रूप में प्रस्तुत करते हुए जीवन में संतुलन, आत्मबल एवं स्पष्ट निर्णय क्षमता विकसित करने के सूत्र साझा करेंगी। कार्यक्रम में प्रेरक सान्निध्य के रूप में कामधेनु ग्रुप के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर सतीश अग्रवाल उपस्थित रहेंगे, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में कामधेनु जीवनधारा फाउंडेशन, गुड़गाँव की चेयरपर्सन राधा अग्रवाल जी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में RPS ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। परिषद अध्यक्ष अमित नाहटा जैन ने बताया कि यह सत्र विद्यार्थियों, उद्योग जगत एवं समाज के सभी वर्गों के लिए उपयोगी रहेगा तथा सभी नागरिकों से इसमें अधिक से अधिक सहभागिता का आह्वान किया है।

श्यामलाल बने मेघवाल विकास समिति के ब्लॉक अध्यक्ष

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

तिजारा मेघवाल विकास समिति तिजारा की बैठक अंबेडकर सामुदायिक भवन विकास पथ तिजारा में मंगतराम मेघवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें सर्वसम्मति से श्यामलाल को मेघवाल का समिति का अध्यक्ष चुना गया है, उक्त मीटिंग में पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष मंगतराम मेघवाल, मोहर सिंह, नंदलाल आर्य, धीरज चौहान, विनोद, सरजीत, सूरज, मुरारी लाल आर्य, जगन्नाथ, किशन लाल, शोभाराम, बालकिशन आर्य, सुरेशचंद, जीवन सिंह, रमेश शेयर, राम सिंह एवं समाज के बहुत लोग शामिल थे नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष मेघवाल विकास समिति तिजारा के श्यामलाल ने कहा है कि समाज को आगे ले जाना मेरा प्रयास रहेगा एवं समाज की कुरीतियों को दूर करने की भरपूर कोशिश की जाएगी तथा दिनांक 14 अप्रैल 2026 को मनाई जा रही डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती में भी सभी समाज बंधुओ को ज्यादा से ज्यादा शामिल होने के लिए कहा गया।

भागवत समरसता महोत्सवः तीसरे दिन उमड़ी भारी भीड़, पंडाल पड़ा छोटा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भीलवाड़ा

भागवत समरसता महोत्सव के तीसरे दिन रविवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे पंडाल खचाखच भर गया। परम पूज्य माधव गो विज्ञान अनुसंधान संस्थान और श्री सांवरिया सेठ मंदिर ट्रस्ट, नौगांवा के संयुक्त तत्वावधान में माधव गौशाला परिसर में आयोजित कथा में गौवत्स राधाकृष्ण महाराज ने कहा कि परमात्मा की प्राप्ति का मार्ग वन में नहीं, बल्कि मनुष्य के मन में निहित है। उन्होंने एकादशी के महत्व को जन्माष्टमी के समान फलदायी बताते हुए गौ-सेवा के वैज्ञानिक पहलुओं पर प्रकाश डाला। साथ ही सेवा और भक्ति को जीवन का मूल आधार बताते हुए समय पर सेवा करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में नन्हीं गायिका तक्षवी सोड़ानी के भजन ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। शाम को नन्देश्वर महादेव मंदिर में विधि-विधान से पूजन भी हुआ। इस दौरान संत-महंत, समाजसेवी और बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। ट्रस्ट के अनुसार 30 मार्च को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव प्रसंग, 31 मार्च को बाल कृष्ण लीला, 1 अप्रैल को रुक्मणी विवाह तथा 2 अप्रैल को सुदामा चरित्र के साथ महोत्सव का समापन होगा।

बेगूं में पुलिस की बड़ी कार्रवाईः 44 किलो डोडाचूरा जब्त, 2 तस्कर गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बेंगू

चित्तौड़गढ़ जिले के बेगूं थाना पुलिस ने रविवार को ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 44 किलो 260 ग्राम अवैध डोडाचूरा बरामद किया। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त एक अल्टो कार भी जब्त की है और दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत बेगूं-काटुन्दा रोड पर नाकाबंदी के दौरान संदिग्ध कार को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक कार भगाने लगा। पुलिस ने स्टॉप स्टिक लगाकर टायर पंचर किया और पीछा कर दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। तलाशी में कार से दो प्लास्टिक कट्टों और एक बोरे में भरा डोडाचूरा मिला। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बीरबल (30) और जयकिशन (27), निवासी बालोतरा जिले के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर जांच जारी है।

दिल्ली में गूंजा टपूकड़ा का नामः

बचपन स्कूल टपूकड़ा लगातार दूसरे वर्ष 'मेस्ट्रो अवॉर्ड' से सम्मानित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा टपूकड़ा

टपूकड़ा क्षेत्र के प्रतिष्ठित बचपन एवं फ्लोयम इंटरनेशनल स्कूल, टपूकड़ा के लिए यह अत्यंत गर्व का क्षण रहा, जब विद्यालय को लगातार दूसरे वर्ष प्रतिष्ठित '8वें मेस्ट्रो अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। देशभर के 1250 से अधिक स्कूलों में से चयनित होकर यह सम्मान प्राप्त करना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। यह भव्य समारोह दिल्ली के हयात होटल, जनकपुरी में आयोजित किया गया, जहां देशभर के चुनिंदा शैक्षणिक संस्थानों की गरिमामयी उपस्थिति में यह सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में यह सम्मान ओलंपियन एवं प्रख्यात टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल के कर-कमलों द्वारा प्रदान किया गया, जिससे इस उपलब्धि का गौरव और भी बढ़ गया। विद्यालय ने उत्कृष्ट शैक्षणिक परिणाम, एक्टिविटी-बेस्ड लर्निंग एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास के क्षेत्र में निरंतर नवाचार करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी सशक्त पहचान बनाई है। इसी उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर विद्यालय को यह महत्वपूर्ण सम्मान प्राप्त हुआ। विद्यालय के निदेशक आकाश गोयल ने कहा, 'यह सम्मान हमारी पूरी टीम की मेहनत, समर्पण और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। हम आगे भी इसी प्रकार उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।' वहीं, भुवनेश गर्ग ने कहा, 'देशभर के हजारों स्कूलों के बीच यह सम्मान मिलना हमारे लिए अत्यंत गर्व की बात है। यह हमारी टीम की मेहनत, ईमानदारी और समर्पण का परिणाम है, और हम भविष्य में और बेहतर करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर विद्यालय के समस्त स्टाफ, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों में हर्ष का माहौल है। विद्यालय परिवार ने भविष्य में भी उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करते हुए नए कीर्तिमान स्थापित करने का संकल्प लिया है।

खैरथल में जिला सैनी महासभा की बैठक आयोजित, हेड कांस्टेबल पुष्पा सैनी का सम्मान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा

जिला सैनी महासभा खैरथल-तिजारा के तत्वावधान में सैनी सभा भवन खैरथल में महासभा अध्यक्ष तेजराम सैनी की अध्यक्षता में आम सभा का आयोजन किया गया। बैठक की शुरुआत विभिन्न क्षेत्रों से पधारे समाज के पदाधिकारियों द्वारा महात्मा ज्योतिबा फूले एवं माता सावित्रीबाई फुले की प्रतिमाओं के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई। उपस्थित समाज बंधुओं ने पुष्प अर्पित कर उनके समाज सुधार में दिए गए योगदान को स्मरण किया। महासभा संयोजक इंजीनियर तेजपाल सैनी ने बैठक के मुख्य बिंदुओं को विस्तार से रखा, जबकि संचालन सचिव इंदर ने किया। इस अवसर पर राजस्थान पुलिस महानिदेशक द्वारा उत्कृष्ट कार्य के लिए राज्य स्तरीय सम्मान एवं महिला आयोग से सम्मानित समाज गौरव हेड कांस्टेबल पुष्पा सैनी का पुष्पगुच्छ, शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर अभिनंदन किया गया। साथ ही जिला सैनी महासभा अलवर से पधारे विशेष अतिथि विकास बबेरवाल, कैलाश सैनी, जुगल सैनी एवं महेंद्र सैनी का भी माला, साफा एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। विभिन्न क्षेत्रों से आए समाज के प्रधानों व पदाधिकारियों का भी पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया। सम्मान के उपरांत पुष्पा सैनी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए समाज की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और उच्च शिक्षा के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सामाजिक क्रांति के अग्रदूत महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती 11 अप्रैल को जिला स्तरीय रूप में मनाई जाएगी। इस निर्णय का सभी उपस्थित समाज बंधुओं ने समर्थन करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लिया तथा सहयोग राशि भी एकत्रित की गई। इसके साथ ही समाज में व्याप्त कुरीतियों और बुराइयों को समाप्त करने को लेकर भी गंभीर चर्चा की गई। बैठक में बारह गांव सेवा समिति अध्यक्ष अशोक सैनी, खैरथल सैनी समाज अध्यक्ष देवकीनंदन सैनी, महादेव सैनी, श्याम सैनी, राजेश सैनी, किशनगढ़ गंज अध्यक्ष मुकेश सैनी, हरसोली के पूर्व प्रधान रूपचंद सैनी, मातादीन सैनी, प्रकाश सैनी, कोटकासिम से धन्नाराम सैनी, रमेश सैनी, बम्बोरा से भवानी सैनी, रामफल, राम सिंह, मातोर से प्रेमचंद सैनी, महावीर सैनी, शाहाबाद से सुभाष सैनी, सोनू सैनी, बिजवाड़ से राम सिंह सैनी, बुद्धराम सैनी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भारत विकास परिषद भिवाड़ी द्वारा किया गया ट्राई साइकिलों का वितरण

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

भारत विकास परिषद शाखा भिवाड़ी द्वारा दिनांक 28 मार्च 2026 को सत्र 2025 26 की आमसभा का आयोजन किया गया सभा का आरंभ भारत माता के चित्र पर माला अर्पण कर दीप प्रज्वलन व वंदे मातरम के साथ किया गया इस सभा में आगामी सत्र 2026 27 के लिए चुनी गई कार्यकारिणी की घोषणा चयन समिति के राम प्रकाश गर्ग द्वारा की गई तथा वर्तमान सत्र में भिवाड़ी शाखा को उत्तर पूर्व की सर्वश्रेष्ठ शाखा का सम्मान मिलने पर सदस्यों को बधाई भी दी गई तथा सेवा प्रकल्प के तहत दिव्यांग व वृद्ध जनों को परिषद की तरफ से ट्राई साइकिलों का वितरण किया गया आम सभा की अध्यक्षता आरके गुप्ता व विपिन चौधरी ने किया इस मौके पर डॉ नितिन रस्तोगी ,मुकेश जैन ,डीके गोयल, संजीव अग्रवाल मुकेश गोयल, नवीन गुप्ता, योगेश जैन, नीरज झालानी, खेम गुप्ता ,डॉ राकेश सोनी, मीनाक्षी सोनी, सुनीता यादव ,राजेश यादव ,हर्ष महेश्वरी, डॉ नवनीता शर्मा, कामिनी सिंगल, दया अग्रवाल डॉ मोनिका व परिषद के 60 से अधिक सदस्य उपस्थित रहे वर्तमान कार्यकारिणी के अध्यक्ष अमित नाहटा जैन ,सचिव अनिल सिंघल ,कोषाध्यक्ष नंदकिशोर अग्रवाल ने आगामी सत्र की कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दी तथा आए हुए सभी सदस्यों को धन्यवाद प्रस्तुत किया , राष्ट्रगान के साथ सभा का समापन किया गया।

श्रीजोगणिया माता शक्तिपीठ संस्थान को मिला 80 जी व 12 एबी का प्रमाण पत्र

संस्थान के पदाधिकारियों ने बतायी ऐतिहासिक उपलब्धि

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बेगूं

चित्तौड़गढ़ जिले में बेगूँ के प्रमुख धार्मिक स्थल श्रीजोगणियामाता संस्थान को आयकर विभाग द्वारा रविवार को आयकर मे छूट होने का प्रमाण पत्र सौंपा गया है। जिससे श्रीजोगणियामाता को राशी भेंट करने वाले आयकरदाता श्रद्धालुओं को आयकर में छूट मिल सकेगी। जिससे श्रद्धालुओं को दान के साथ इन्कमटैक्स में भी छूट का फायदा मिल सकेगा। जिससे संस्थान की भी इन्कम बढेगी वही श्रद्धालु भक्तजनों को लाभ मिलेगा। श्रीजोगणिया माता शक्तिपीठ प्रबंध एवं विकास संस्थान के अध्यक्ष सत्यनारायण जोशी ने जानकारी देते हुये बताया कि संस्थान को को आयकर विभाग द्वारा 80 जी एवं 12 एबी प्रमाण पत्र जारी किया गया है।इससे संस्थान को राशी भेंट करने वाले श्रद्धालुओं को आयकर में छूट मिलेगी वही संस्थान को भी फायदा होगा। जिससे विकास कार्यो को ओर गति मिल सकेगी। बताता गया कि 80 जी की पहली रसीद बुक भी छपवाई गई, जिसे विधिवत माता जी के चरणों में अर्पित कर माताजी का आशीर्वाद लिया गया। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर संस्थान के अध्यक्ष श्री सत्यनारायण जोशी एवं पदाधिकारियों ने इस कार्य के लिये अथक प्रयास करने वाले संस्थान के वरिष्ठ सलाहकार दलपत सिंह सांखला (जयपुर) को माताजी की चुंदड़ी ओढ़ाकर सम्मान किया तथा आभार व्यक्त किया गया। संस्थान के अध्यक्ष जोशी ने इसे संस्थान के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताते हुए आयकर विभाग एवं गार्गिया कंसल्टेंसी, जयपुर का भी धन्यवाद ज्ञापित किया। अध्यक्ष जोशी ने श्रद्धालुओं से अपील करते हुए कहा कि अब संस्थान में 80 जी के तहत दान देकर जहां पुण्य लाभ प्राप्त किया जा सकता है, वहीं आयकर में छूट का भी लाभ मिलेगा। उन्होंने अपील करते हुये कहा कि सनातन धर्म की परंपरा को आगे बढ़ाने एवं विकास कार्यों में सहयोग हेतु अधिक से अधिक दान कर श्रीजोगणियामाता संस्थान को सहयोग कर अपनी सहभागिता निभाये। संस्थान के अध्यक्ष जोशी ने चैत्र नवरात्रा में सहयोग देने वाले सभी प्रशासनिक अधिकारियों, विधायक, चौकी प्रभारी एवं संस्थान के कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।

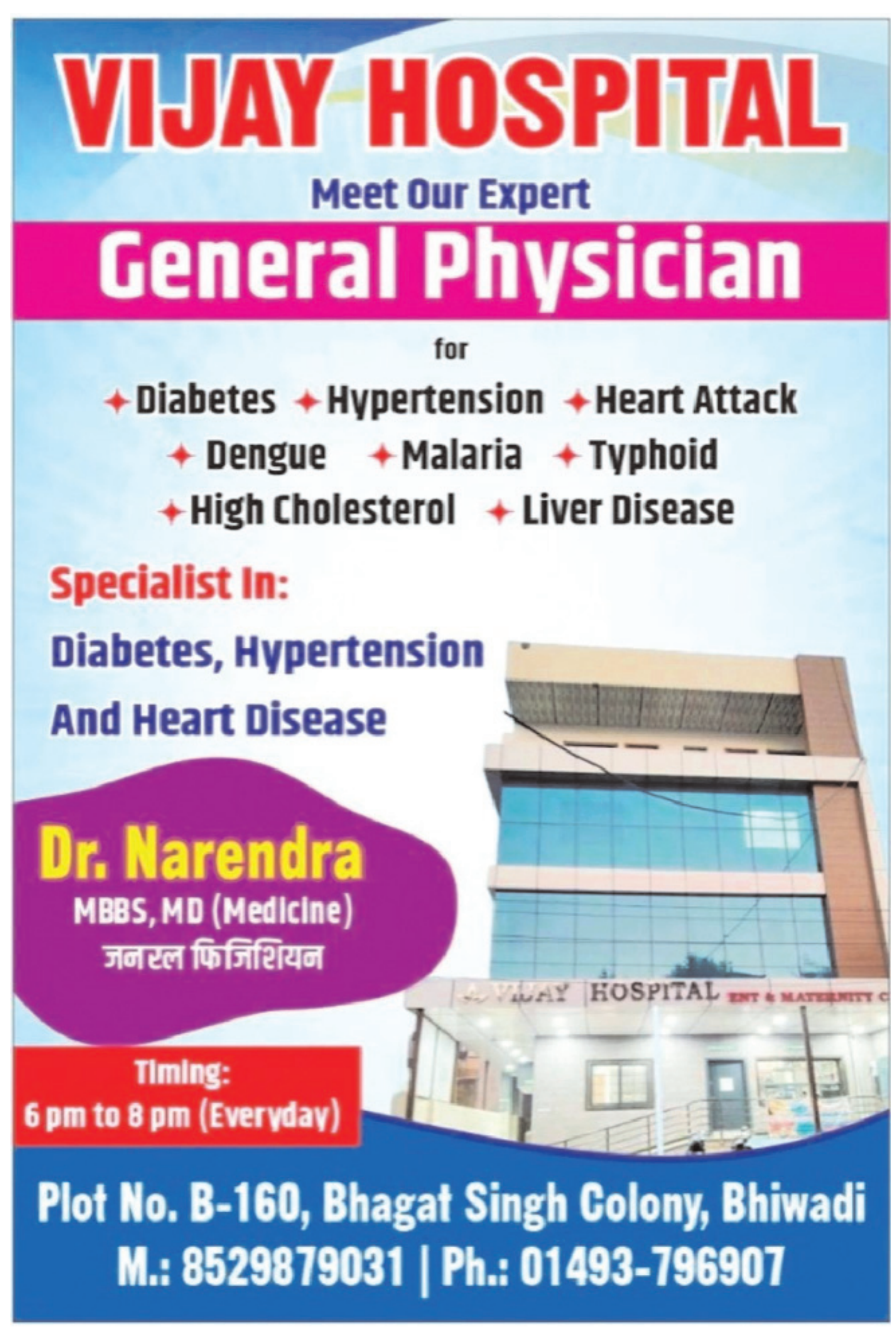

बीमा सुरक्षा का माध्यम बने, न कि मुनाफे का जाल

ललित गर्ग

विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, हजारों करोड़ रुपये के बीमा दावे हर वर्ष खारिज कर दिए जाते हैं। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि बीमा प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। अक्सर देखा गया है कि पॉलिसी लेते समय ग्राहकों को शर्तों की पूरी जानकारी नहीं दी जाती। जटिल भाषा में लिखे गए नियम और शर्तें आम व्यक्ति की समझ से बाहर होती हैं। परिणामस्वरूप, जब दावा प्रस्तुत किया जाता है, तो उन्हीं शर्तों को आधार बनाकर भुगतान रोक दिया जाता है। इस समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू निजी अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच संभावित गठजोड़ भी है।

बीमा का मूल उद्देश्य जीवन की अनि ताओं से सुरक्षा प्रदान करना है। यह व्यवस्था व्यक्ति को बीमारी, दुर्घटना या अन्य संकटों के समय आर्थिक सहारा देती है। परंतु आज के दौर में यह व्यवस्था अपने मूल उद्देश्य से भटकती हुई दिखाई दे रही है। विशेषकर स्वास्थ्य बीमा के क्षेत्र में जो जटिलताएं, अपारदर्शिता और मनमानी देखने को मिल रही है, उसने आमजन के विश्वास को गहरी चोट पहुंचाई है। बीमा, जो सुरक्षा का माध्यम होना चाहिए था, वह कई बार शोषण का उपकरण बनता जा रहा है। वर्तमान समय में चिकित्सा सेवाओं की लागत अत्यधिक बढ़ चुकी है। निजी अस्पतालों में इलाज का खर्च लाखों में पहुंच जाता है। सरकार के द्वारा रियायती मूल्यों पर उपलब्ध कराई भूमि पर बने अस्पताल आज गरीबों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। ऐसे में स्वास्थ्य बीमा एक आवश्यक सुरक्षा कवच के रूप में उभरता है। बीमा कंपनियां भी इसी भय और भविष्य की अनि तता का उपयोग कर लोगों को पॉलिसी खरीदने के लिए प्रेरित करती हैं। लेकिन वास्तविक समस्या तब सामने आती है जब बीमा धारक को उसकी जरूरत होती है। दावों के निपटान के समय कंपनियां अनेक तकनीकी कारणों, शर्तों और अपवादों का हवाला देकर भुगतान से बचने का प्रयास करती हैं।

विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, हजारों करोड़ रुपये के बीमा दावे हर वर्ष खारिज कर दिए जाते हैं। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि बीमा प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचि लगाती है। अक्सर देखा गया है कि पॉलिसी लेते समय ग्राहकों को शर्तों की पूरी जानकारी नहीं दी जाती। जटिल भाषा में लिखे गए नियम और शर्तें आम व्यक्ति की समझ से बाहर होती हैं। परिणामस्वरूप, जब दावा प्रस्तुत किया जाता है, तो उन्हीं शर्तों को आधार बनाकर भुगतान रोक दिया जाता है। इस समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू निजी अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच संभावित गठजोड़ भी है। कई मामलों में अस्पताल अत्यधिक बिलिंग करते हैं और बीमा कंपनियां कम भुगतान करती हैं, जिससे मरीज को भारी आर्थिक बोझ उठाना पड़ता है। यह स्थिति विशेष रूप से मध्यम और निम्न वर्ग के लोगों के लिए अत्यंत पीड़ादायक होती है। कई बार तो ऐसी घटनाएं भी सामने आती हैं, जहां अस्पताल बकाया राशि के कारण मरीज के शव को तक रोक लेते हैं, जो मानवीय संवेदनाओं के विरुद्ध है।

यदि हम विकसित देशों की तुलना करें, तो वहां बीमा प्रणाली अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी है। दावों का निपटान समयबद्ध और न्यायसंगत तरीके से किया जाता है। भारत में भी भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) जैसे नियामक संस्थान मौजूद हैं, जिनका उद्देश्य बीमा क्षेत्र को नियंत्रित और संतुलित करना है।

लेकिन व्यावहारिक स्तर पर इनकी प्रभावशीलता पर प्रश्न उठते रहे हैं। नियामक तंत्र की निष्क्रियता या सीमित हस्तक्षेप के कारण बीमा कंपनियों की मनमानी पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। इस स्थिति में सुधार के लिए सबसे पहले बीमा प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाना आवश्यक है। पॉलिसी दस्तावेजों को आम भाषा में प्रस्तुत किया जाना चाहिए ताकि एक सामान्य व्यक्ति भी उसकी शर्तों को समझ सके। इसके साथ ही, बीमा एजेंटों की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए कि वे ग्राहकों को पूरी और सही जानकारी दें। गलत जानकारी देकर पॉलिसी बेचने पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

दूसरा महत्वपूर्ण कदम है-दावा निपटान प्रक्रिया का सरलीकरण। बीमा दावों के लिए एक मानकीकृत और समयबद्ध प्रक्रिया लागू की जानी चाहिए। यदि कोई दावा खारिज किया जाता है, तो उसके स्पष्ट और उचित कारण बताए जाएं। इसके लिए एक स्वतंत्र अपीलीय तंत्र भी होना चाहिए, जहां उपभोक्ता अपनी शिकायत दर्ज कर सकें और उसे त्वरित न्याय मिल सके। तीसरा, अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच पारदर्शिता सुनि त करना अत्यंत आवश्यक है। उपचार की लागत को नियंत्रित करने के लिए एक मानक दर प्रणाली लागू की जा सकती है। इससे अनावश्यक बिलिंग और वित्तीय शोषण पर रोक लगेगी। साथ ही, कैशलेस उपचार की सुविधा को अधिक प्रभावी और व्यापक बनाया जाना चाहिए ताकि मरीज को तत्काल आर्थिक राहत मिल सके। चौथा, सरकार को इस क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। एक राष्ट्रीय स्तर की निगरानी प्रणाली स्थापित की जानी चाहिए, जो बीमा कंपनियों और अस्पतालों की गतिविधियों पर नजर रखे। समय-समय पर ऑडिट और जांच के माध्यम से अनियमितताओं को उजागर किया जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। पांचवां, बीमा साक्षरता को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को बीमा की शर्तों, अधिकारों और प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए। विशेष रूप से गरीब और अशिक्षित वर्ग के लिए सरल मार्गदर्शिका और सहायता केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए। नि त तौर पर बीमा व्यवसाय को केवल लाभ कमाने का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में देखा जाना चाहिए। जब तक इस क्षेत्र में नैतिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनि त नहीं होगी, तब तक आमजन का विश्वास बहाल नहीं हो सकता। आज आवश्यकता इस बात की है कि बीमा प्रणाली को पुनर्गठित कर उसे जनहितकारी बनाया जाए। सरल प्रक्रियाएं, स्पष्ट नियम, सशक्त नियामक तंत्र और जागरूक उपभोक्ता-ये चार स्तंभ ही बीमा क्षेत्र को उसकी वास्तविक दिशा में ले जा सकते हैं। यदि समय रहते इन सुधारों को लागू नहीं किया गया, तो बीमा का यह महत्वपूर्ण साधन आम आदमी के लिए सुरक्षा के बजाय संकट का कारण बना रहेगा।

चिकित्सा और बीमा-दोनों ही ऐसे क्षेत्र हैं जो मूलतः मानव जीवन की सुरक्षा, राहत और सेवा से जुड़े हुए माने जाते हैं, लेकिन विडंबना यह है कि आज ये दोनों क्षेत्र आमजन के लिए सबसे अधिक जटिल, महंगे और अविश्वसनीय होते जा रहे हैं। एक ओर रियायती जमीन पर बने निजी अस्पताल गरीबों को मुफ्त इलाज देने के अपने दायित्व से बचते नजर आते हैं, वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य बीमा के नाम पर बीमा कंपनियां ऐसी शर्तें और प्रक्रियाएं थोप देती हैं कि जरूरत के समय मरीज को बीमा का लाभ मिलना कठिन हो जाता है। यह स्थिति केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि संवेदनहीन व्यवस्था का प्रतीक बनती जा रही है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिल्ली के रियायती जमीन पर बने अस्पतालों को नोटिस जारी करना केवल एक प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, बल्कि व्यवस्था को आईना दिखाने जैसा है। जब अस्पताल रियायती जमीन लेते समय गरीबों के इलाज का वायदा करते हैं, तो वह केवल कागजी औपचारिकता नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्व होता है। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि लाभ तो निजी अस्पताल उठा रहे हैं और दायित्व निभाने से बच रहे हैं। यही स्थिति बीमा क्षेत्र में भी दिखाई देती है, जहां पॉलिसी बेचते समय बड़े-बड़े वायदे किए जाते हैं, लेकिन क्लेम के समय छोटी-छोटी तकनीकी वजहों से दावे खारिज कर दिए जाते हैं।

आम आदमी सालों तक प्रीमियम भरता रहता है, लेकिन जरूरत के समय उसे राहत नहीं मिलती। इस स्थिति में सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता एक सकारात्मक संकेत है। जिस प्रकार अदालत ने अस्पतालों से जवाब मांगा है, उसी प्रकार बीमा कंपनियों की कार्यप्रणाली पर भी सख्त निगरानी और स्पष्ट नियम बनने चाहिए, ताकि बीमा वास्तव में सुरक्षा का माध्यम बने, न कि मुनाफे का जाल। सरकारों की जिम्मेदारी केवल नीतियां बनाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उनके क्रियान्वयन की सख्त निगरानी भी होनी चाहिए। यदि रियायती जमीन लेने वाले अस्पताल गरीबों का मुफ्त इलाज नहीं करते तो उनसे जमीन का बाजार मूल्य वसूला जाना चाहिए या उनकी मान्यता पर पुनर्विचार होना चाहिए। इसी तरह बीमा कंपनियों को भी क्लेम प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनानी चाहिए। स्वास्थ्य और बीमा दोनों ही आम आदमी की जीवन सुरक्षा से जुड़े विषय हैं, इसलिए इनमें मुनाफाखोरी की मानसिकता पर नियंत्रण आवश्यक है। यदि सरकार, न्यायपालिका और नियामक संस्थाएं मिलकर सख्ती और पारदर्शिता सुनि त करें, तो चिकित्सा और बीमा दोनों क्षेत्रों में आमजन का विश्वास फिर से स्थापित हो सकता है। अन्यथा सेवा के ये क्षेत्र केवल व्यवसाय बनकर रह जाएंगे और गरीब आदमी इलाज और बीमा दोनों के बीच पिसता रहेगा।

(खक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

भारत में 'तेल आपातकाल' नहीं

प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य के मुख्यमंत्रियों के साथ, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संवाद और विमर्श किया। यह हमारे लोकतंत्र का संघीय चरित्र है। प्रधानमंत्री ने ईरान युद्ध से उपजे पि म एशिया ही नहीं, बल्कि वैश्विक हालात पर चर्चा की होगी। ऐसे ही संघीय संवाद कोरोना महामारी के दौरान भी किए गए थे। तब एक खास किस्म का विषैला, जानलेवा संक्रमण दुनिया भर में फैला था। भारत में लॉकडाउन के साथ-साथ कई सख्त कदम भी उठाए गए थे। हमारी अर्थव्यवस्था नकारात्मक हो गई थी। बेहद भयावह माहौल और हालात थे। बहरहाल आज वैसे हालात नहीं हैं। तेल-गैस, उर्वरक आदि की आपूर्ति अवरुद्ध हुई है, लिहाजा किल्लत महसूस हो रही है। कुछ संकट का दौर तो है। अफवाहों और दुष्प्रचार की काली भेड़ों ने लॉकडाउन की फर्जी खबरें चलाना भी शुरू कर दिया है। मीडिया के एक वर्ग में यह विश्लेषण भी छापा गया कि देश में तेल-गैस का स्टॉक मात्र 7-9 दिन का है। शायद उसी से आम आदमी घबराया है और पेट्रोल पंपों पर जन-सैलाब की स्थितियां हैं। मारा-पीटी भी हुई है। पुलिस पर भी प्रहार किया गया है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने हकीकत का खुलासा किया है कि देश में पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस (एलपीजी) का 60 दिन का स्टॉक सुरक्षित है। अगले 60 दिन के कच्चे तेल की बुकिंग सरकार ने कर ली है। करीब 8 लाख टन एलपीजी कार्गो सुरक्षित कर लिए गए हैं। वे रूस, अमरीका, ऑस्ट्रेलिया आदि कई देशों से आ रहे हैं। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, इराक, रूस आदि देशों से कच्चा तेल आ रहा है। यह आपूर्ति 60 दिन के लिए सुनि त कर ली गई है। देश के एक लाख पेट्रोल पंपों में से एक पर भी पेट्रोल-डीजल खत्म नहीं हुए हैं। लगातार सप्लाई जारी है। देश में करीब 3.3 करोड़ मीट्रिक टन एलपीजी की सालाना खपत होती है और हमारी रिफाइनरियां हररोज औसतन 50,000 टन एलपीजी का उत्पादन कर रही हैं। उत्पादन 40 फीसदी बढ़ाया गया है। यदि जमाखोर, कालाबाजारी, मुनाफाखोर, चोर-लुटेरे, देश-विरोधी लोग सरकार के इस खुलासे से आश्वस्त नहीं हैं, तो देश में दूसरा कौनसा वैकल्पिक माध्यम है, जो तेल-गैस की अपडेट वस्तुस्थिति देश को बता सके? आप सरकार-विरोधी, प्रधानमंत्री-विरोधी, नीति-विरोधी हो सकते हैं, लेकिन राजनीतिक दुराग्रह भारत-विरोध की हद तक नहीं पहुंचना चाहिए।

चिंतन-मनन

मृत्यु का अर्थ

मृत्यु एक शात सत्य है। यह अनुभूति प्रत्यक्ष प्रमाणित है, फिर भी इसके संबंध में कोई दर्शन नहीं है। अब तक जितने ऋषि-महर्षि या संत-महंत हुए हैं, उन्होंने जीवन दर्शन की चर्चा की है। जीवन के बारे में ऐसी अनेक दृष्टियां उपलब्ध हैं जिनसे जीवन को सही रूप में समझा जा सकता है और जिया जा सकता है। किंतु मृत्युक को एक अवश्यंभावी घटना मात्र मानकर उपेक्षित कर दिया गया। मृत्यु के पीछ भी कोई दर्शन है, इस रहस्य को अधिक लोग पकड़ ही नहीं पाए। यही कारण है कि जीवन दर्शन की भांति मृत्यु दर्शन जीवन में उपयोगी नहीं बन सका।

जैन दर्शन एक ऐसा दर्शन है जिसने जीवन को जितना महत्व दिया, उतना ही महत्व मृत्यु को दिया। बशत्रे कि वह कलात्मक हो। कलात्मक जीवन जीने वाला व्यक्ति जीवन की सब विसंगतियों के मध्य जीता हुआ भी उसका सार तत्व खींच लेता है। इसी प्रकार मृत्यु की कला समझने वाला व्यक्ति भी मृत्यु से भयभीत न होकर उसे चुनौती देता है। जैन दर्शन में इसका सवार्गीण विवेचन उपलब्ध है।

मृत्यु का अर्थ है- आयुष्य प्राण चुक जाने पर जीव का स्थूल शरीर से वियोग।इसके कई प्रकार हैं। उन सबका संक्षिप्त वर्गीकरण किया जाए तो मृत्यु के दो प्रकार होते हैं- बाल मरण और पंडित मरण. असंयम और असमाधिमय मरण बाल मरण है। अकाल मृत्यु, आत्महत्या, अज्ञान मरण आदि सभी प्रकार के मरण बाल मरण में अंतर्निहित हैं। संयम और समाधिमय मृत्यु पंडित मरण है। जीवन के अंतिम क्षणों में भी संयम और समाधि का स्पर्श हो जाए तो वह मरण पंडित मरण की गणना में आ जाता है। कुछ व्यक्ति मौत के नाम से ही घबराते हैं।

वे जीवन को महत्व देते हैं। अपना-अपना चिंतन है। मुझे इस संबंध में अपने विचार देने हों तो मैं मृत्यु को वरीयता दूंगा। क्योंकि जीवन की सार्थकता भी मृत्यु पर ही निर्भर करती है। किसी व्यक्ति ने तपस्या की है और जागरुकता के साथ धर्म की आराधना की है, तो उसका फल समाधिमय मृत्यु ही है।

आसमान से गिरे, खजूर में अटके ट्रंप

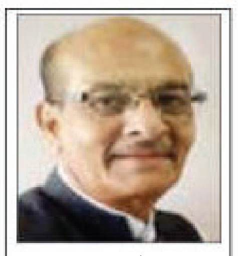

सनत जैन

बड़बोले ट्रम्प को ईरान ने दिखाया आईना राजनीति में ताकत का प्रदर्शन ही सबसे बड़ी रणनीति माना जाता है। इतिहास गवाह है, अति-आत्मविश्वास कई बार सबसे बड़ी कमजोरी और नुकसान का करण बन जाता है। वर्तमान में कुछ ऐसी ही स्थिति अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संदर्भ में देखने को मिल रही है। दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद जिस तरह से उन्होंने दुनिया के देशों को टैरिफ युद्ध के माध्यम से हड़काकर स्वयंभू शांतिदूत के रूप में सारी दुनिया में स्थापित होना चाह रहे थे। 1 साल में ही वह आसमान से गिरे, खजूर में अटके वाली कहावत को चरितार्थ करते नजर आ रहे है। ट्रंप ने अपने कार्यकाल में खुद को एक आक्रामक और निर्णायक नेता के रूप में सारे विश्व के देशों पर अपना वर्चस्व बनाने की कोशिश कर रहे थे। वैश्विक स्तर पर अपनी ताकत का प्रदर्शन कर रहे थे। मध्य-पूर्व देशों की जटिल राजनीति में उनका यह रवैया पिछले 1 वर्ष में चचाओं में बना रहा। इजराइल और फिलिस्तीन की लड़ाई में वह इजरायल के पक्ष में खड़े थे। गाजा में हजारों मासूम बच्चों और महिलाओं की हत्या हुई। रूस और यूक्रेन के युद्ध में वह नाटो देश और अमेरिका के मित्र देशों के साथ जिस तरह का व्यवहार कर रहे थे, इसका असर सारी दुनिया के देशों में देखने को मिला। इसराइल और ईरान के बीच बढ़ते हुए तनाव और इजराइल के साथ उनकी नजदीकी ने हालात को पेचीदा बना दिया है। इजराइल और ईरान के युद्ध मे अमेरिका को झोंक देने के कारण समय-समय पर तरह-तरह की बयानबाजी करने से आज ट्रंप सारी दुनिया में अलग-थलग पढ़ते चले जा रहे हैं।

कहा जाता है, ऊंट जब पहाड़ के नीचे आता है तब उसे अपनी असलियत समझ आती है। ट्रंप के साथ भी कुछ ऐसा ही होता दिख रहा है। जो नेता खुद को विश्व राजनीति का निर्णायक मानकर अहंकार दिखा रहा था, अपने आपको दुनिया का सर्वशक्तिमान मानकर चल रहा था, आज वही ट्रम्प ऐसी स्थिति में फंस गये हैं, जहां से वह आगे भी नहीं बढ़ पा रहे हैं और नाही पीछे हट पा रहे हैं। पहली बार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की यह स्थिति धोबी का कुत्ता, न घर का न घाट का जैसी होती हुई दिख रही है।

मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष ने सवाल खड़ा कर दिया है। क्या अमेरिका अपने लक्ष्य की पूर्ति के लिए अपनी रणनीति के तहत आगे बढ़ रहा है, या वह इजरायल के हितों के कारण स्वयं और अमेरिका को उलझाता जा रहा है। ईरान की ओर से हाल ही में मुस्लिम देशों को दिया गया संदेश इस पूरे परिदृश्य मे अमेरिका की स्थिति को और भी गंभीर बना रहा है। अरब देशों के साथ अमेरिका का कई दशकों से सुरक्षा संबंधी समझौता था। खाड़ी के अधिकांश देशों में अमेरिका ने अपने सैन्य अड्डे बनाए हुए थे। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का पूरा कारोबार डॉलर मुद्रा में होता था, जिसके कारण अमेरिका का एकाधिकार था। ईरान ने जिस तरह से खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों को तबाह किया है, उसने असलियत सामने ला दी है। खाड़ी देशों को ईरान ने चेतावनी दी है वे अमेरिका की मदद नहीं करें। ईरान ने इस्लामी ब्रदरहुड की भावना को जागृत करते हुए कहा है जो देश अपनी जमीन को ईरान के ऊपर हमला करने के लिए उपलब्ध नहीं कराएंगे उनसे ईरान की कोई दुश्मनी नहीं है। हम सब मिलकर काम करेंगे। अमेरिका की दादागिरी नहीं सहेंगें। अंतरराष्ट्रीय राजनीति भावनाओं या आक्रामक बयानों से नहीं चलती है। इसमें संतुलन, कूटनीति और दीर्घकालिक सोच और लाभ-हानि की आवश्यकता से जुड़ी होती है। ट्रंप की नीतियाँ, उनके तरह-तरह के बयान, धमकी तथा अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हुए जो दादागिरी और अहंकार कर रहे थे, ईरान ने अब उस पर तगड़ा वार किया है। अमेरिका ने जिन देशों को सुरक्षा देने का वचन दिया था वह सुरक्षा तो अमेरिका कर नहीं पाया। इस स्थिति में उठ रहे सवाल इसी बात की ओर इशारा करते हैं। केवल शक्ति प्रदर्शन से ना तो किसी देश पर कब्जा किया जा सकता है, नाही किसी समस्या का स्थायी समाधान निकाला जा सकता है।

अमेरिका और इजरायल ने क्या सोचकर ईरान के ऊपर हमला किया था यह तो अमेरिका और इजराइल ही जानते हैं लेकिन अब जिस तरीके की स्थिति बन गई है, उसमें ट्रंप ना तो वहां से निकल पा रहे हैं और आगे बढ़ने के सारे रास्ते बंद हो चुके हैं। वर्तमान स्थिति का घटनाक्रम अहंकारी राजनेताओं को महत्वपूर्ण सीख देता है। राजनीति और सत्ता के वैश्विक मंच पर हर कदम को सोच-समझकर उठाना जरूरी होता है। बड़बोलेपन और अहंकार की राजनीति लंबे समय तक टिक नहीं पाती है। जब हकीकत सामने आती है, तो सबसे ताकतवर अमेरिका और उसके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसे नेता भी असहज स्थिति में फंसते हैं। इस युद्ध के कारण जिस तरह से अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप का विरोध हो रहा है, अमेरिका में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है। अमेरिका का आर्थिक संकट बढ़ रहा है। ऐसी स्थिति में अब उन्हें अपनी ही रिपब्लिकन पार्टी से चुनौती मिलना शुरू हो गई है। उनके लिए अब राष्ट्रपति पद पर बने रहने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। युद्ध के लिए अर्थतंत्र को मजबूत करने के लिए प्रयास करना पड़ रहा है। ईरान जैसे छोटे से देश से उन्हें इस तरह की चुनौती मिलेगी इसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी। लेकिन जब सच्चाई सामने आई तो यह दोनों कहावतें सत्य होती प्रतीत हो रही हैं।

भगवान महावीर का जिओ और जीने दो का अहिंसा संदेश आज भी प्रासंगिक

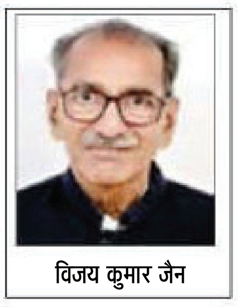

विजय कुमार जैन

अहिंसा के अवतार युगदृष्टा भगवान महावीर का 2625 वाँ जन्मोत्सव हम चैत्र शुक्ल 13 दिनांक 30 मार्च दिन सोमवार को मना रहे हैं। भगवान महावीर का 2552 वाँ निवार्णोत्सव हमने कार्तिक कृष्णा अमावस्या 21अक्टूबर 25 मंगलवार को मनाया है। भगवान महावीर एक युग पुरुष, युग दृष्टा, एक महामानव थे। वे जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर थे। क्षत्रिय राज कुमार होने के बावजूद भी उन्होंने कभी विश्व विजय का सपना नहीं देखा। जिस समय भगवान महावीर का अवतरण हुआ, दुनिया में हिंसा और अत्याचार का बोल बाला था। महाबीर ने विषम परिस्थिति में सच्चा मार्ग दुनिया को दिखलाया। आपने प्राणीमात्र के सुख के लिये जिओ और जीने दो का अमूल्य मंत्र दिया। वर्तमान में भगवान महावीर के जन्मोत्सव के अवसर हम पीछे मुड़कर देखें तो विगत वर्षों सारी दुनिया कोरोना से पीड़ित रही है। कहते हैं चीन में आम आदमी ने जहरीले जीव जन्तुओं को अपनी जिव्हा का स्वाद बढ़ाने उनका वेरहमी से भक्षण किया, यह भी आरोप है कि कोरोना महामारी का शुभारंभ सन 2019 में चीन से हुआ, और यह महामारी सारी दुनिया में आग की तरह फैल गई। सभी ओर से आबाज थी, हिंसा और मांसाहार को त्याग कर ही कोरोना जैसी जानलेवा महामारी से बचा जा सकता हैं। इस महामारी से लड़ने भगवान महाबीर का अहिंसा शाकाहार सिद्धांत प्रासंगिक है। शाकाहारी समाज के लिये यह सुखद संदेश है कोरोना महामारी से पीड़ित दुनिया के लगभग सभी देशों में स्वस्थ्य रहने मांसाहार त्याग कर शाकाहार को स्वीकार किया जा रहा है।

विश्व प्रेम ही भगवान महावीर का दिव्य संदेश है। भगवान महावीर के इसी सिद्धांत को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अपने जीवन का मूलमंत्र माना था। हमारे भारत की यह नीति है किसी दूसरे देश की भूमि मत हड़पो। सन 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान युद्ध में पि मी पाकिस्तान जीतकर उस पर कव्जा न कर स्वतंत्र बंगलादेश बनाया।

भगवान महावीर का मंगल उपदेश था, पाप से घ्रणा करो, न कि पापी से। उन्होंने विरोधी को कभी विरोध से नहीं वरन सद्भावना एवं शांति से जीता। भगवान महावीर ने दुनिया को अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्र चर्य और अपरिग्रह का पावन संदेश दिया, इस मार्ग पर चलकर उन्होंने सांसारिक बंधनों से मुक्त होकर मोक्ष प्राप्त किया। उन्होंने अपना कल्याण किया एवं मोक्ष मार्ग बताया। भगवान महावीर ने कहा-आत्मा के चार बड़े शत्रु हैं काम, क्रोध,लोभ और मोह। इनके चक्कर में पड़ा हुआ व्यक्ति जीवन में कभी अच्छे कार्य नहीं कर पाता। स्व कल्याण के लिये इन पर विजय प्राप्त करना बहुत आवश्यक है।

विश्व वंदनीय भगवान महावीर के जीवन एवं दर्शन का गहराई से अध्ययन करते हैं तो हम पाते हैं, वे किसी एक जाति या सम्प्रदाय के न होकर सम्पूर्ण मानव समाज की अमूल्य धरोहर हैं। वह सबके थे और सब उनके थे। वह स्वयं क्षत्रिय कुल में उत्पन्न हुए थे, उनके मुख्य गणधर इन्द्रभूति गौतम ब्रा ाण थे तथा उनकी धर्मसभा (समवशरण) में सभी धर्मों और जातियों के लोग उनकी दिव्य देशना, मंगल उपदेश सुनने के लिये आते थे। उन्हें केवल जैनों या जैन मंदिरों तक सीमित रखना उनके उद्दात एवं विराट व्यक्तित्व के प्रति अन्याय है वह जैन नहीं जिन थे। इन्द्रिय जन्य वासनाओं और मनोजन्य कषायों को जीत लेते हैं,वे कहलाते हैं जिन। किसी का भी कल्याण जैन बनकर नहीं, जिन बनकर ही हो सकता है। भगवान महावीर ने कहा है त्याग व तपस्या से जीवन महान बनता है। श्रावकों को अपने आचरण में अहिंसा तथा जीवन में अपरिग्रह रखना चाहिए।

युग दृष्टा, अहिंसा, करुणा, परोपकार की पावन प्रेरणा देने वाले भगवान महावीर के 2625 वे जन्मोत्सव के पुनीत अवसर पर हमे चिंतन करने की आवश्यकता है। वर्तमान में चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध,मध्य पूर्व में चल? रहे भयाभय युद्,विश्व में बढ़ रहे अलगाववाद, आतंकवाद, सम्प्रदायवाद, हिंसा की निरंतर बढ़ती प्रवृत्ति, अमेरिका के राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रम्प की एकाधिकार नीति से पूरी दुनिया पर निरंकुश भावना पर अंकुश लगाने भगवान महावीर के सिद्धांत प्रासंगिक हैं। महावीर के सिद्धांत प्राणीमात्र के लिए हितकारी हैं।आज हम त्याग, सेवा, परोपकार के मार्ग पर चलने के बजाय अपने-अपने स्वार्थों को पूरा करने में लिप्त हो गये हैं। वर्तमान में नई पीढ़ी को अच्छे संस्कार देने के स्थान पर उन्हें गुमराह किया जा रहा है, नई पीढ़ी भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों से विमुख होकर पा त्य संस्कृति का अनुकरण कर रही है। समाज का नेतृत्व करने बाले ही पतन के मार्ग चलने लगे तो नई पीढ़ी को कैसा आदर्श मिलेगा। क्रांतिकारी जैन संत समाधिस्थ मुनि तरुण सागर जी महाराज ने कड़वे प्रवचन करते हुए कहा था भगवान महावीर को जैन मंदिर की चार दीवारी से बाहर निकाल कर नगर के मुख्य चौराहे पर लाना होगा, तभी जनमानस भगवान महावीर जीवन दर्शन को समझ सकेगा।

दुनिया में सुख शांति की स्थापना करने के लिये हमें हर कीमत पर भगवान महावीर के बताये मार्ग पर चलना होगा। तभी भारत की प्राचीन संस्कृति और विरासत की रक्षा होगी। भारत ने कभी हिंसा में विश्वास नहीं किया। हमारा विश्वास भगवान महावीर के सिद्धांतों पर चलकर दूसरों की जान लेकर जीने में नहीं वरन अपनी जान की बाजी लगाकर दूसरों की रक्षा करने में है। अलगाव वाद,साम्राज्यवाद, तानाशाही से विश्व मुक्त हो इस हेतु भगवान महावीर द्वारा बताये मार्ग का अनुशरण करने में ही हम सबका कल्याण होगा। भगवान महावीर का जन्मोत्सव एवं निवाणोत्सव मनाकर हम आज औपचारिकता ही कर रहे हैं। आवश्यकता है उनके द्वारा बताये मार्ग पर चलने की।

भगवान महावीर के उपदेश को जैन धर्म की मेरी भावना नामक सुप्रसिद्ध विनती की निम्न पंक्तियां सार्थक करती हैं:-

मैत्री भाव जगत में मेरा सब जीवों से नित्य रहे,
दीन दुखी जीवों पर मेरे उर से करुणा स्त्रोत वहें।

(लेखक स्थायी अधिमान्य स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय संरक्षक है)

उर्वरकों के संतुलित उपयोग व जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए आईसीएआर संस्थानों व केवीके वैज्ञानिकों के साथ बैठक

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

खरीफ- 2026 के दौरान उर्वरकों के संतुलित एवं वैज्ञानिक उपयोग को बढ़ावा देने, जैविक एवं प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने तथा रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की प्रमुख शासन सचिव मंजू राजपाल ने पंत कृषि भवन में हाईब्रिड मोड में राज्य स्तरीय बैठक ली। बैठक में प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि वर्तमान में राज्य में उर्वरकों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। इसमें यूरिया 3.76 लाख मीट्रिक टन, डीएपी 83 हजार मीट्रिक टन, एनपीके 66 हजार मीट्रिक टन एवं एसएसपी 1.97 लाख मीट्रिक टन शामिल हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है। केन्द्र आगामी खरीफ के लिए राज्य को 11 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 5.10 लाख मीट्रिक टन डीएपी, 4 लाख मीट्रिक टन एसएसपी एवं 1.50 लाख मीट्रिक टन एनपीके आपूर्ति करेगा। मंजू राजपाल ने कहा कि वर्तमान समय में कृषि को टिकाऊ, लाभकारी एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में ठोस प्रयास आवश्यक हैं। इसके लिए उर्वरकों का संतुलित उपयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने निर्देश दिए कि किसानों को नाइट्रोजन, फास्फोरस एवं पोटाश का संतुलित अनुपात में उपयोग करने के साथ-साथ सूक्ष्म पोषक तत्वों के महत्व के बारे में भी जागरूक किया जाए। मंजू राजपाल ने बताया कि किसान को उर्वरकों के संतुलित एवं विवेकपूर्ण उपयोग करने, अनुदानित उर्वरकों का औद्योगिक प्रयोग व राज्य से बाहर परिगमन रोकने के उद्देश्य से कृषकों को जागरूक करने के लिए केन्द्र सरकार के 'धरती माता बचाओ अभियान' के तहत ग्राम पंचायत, ब्लॉक एवं जिला स्तर पर अप्रैल माह से अभियान आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों के विकल्प जैसे हरी खाद, कंपोस्ट, देसी खाद, जैविक उर्वरक, फसल चक्र में दलहनी फसलों के उपयोग, फसल अवशेष प्रबंधन, प्राकृतिक व जैविक खेती की विधियों पर जोर देते हुए कहा कि इससे न केवल मिट्टी की उर्वरता में वृद्धि होगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध उपयोग से मिट्टी की गुणवत्ता में गिरावट आ रही है, जिसे रोकना अत्यंत आवश्यक है। राजपाल ने निर्देश दिए कि सभी विभागीय अधिकारी एवं संस्थाएं समन्वय के साथ जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें ताकि किसानों को उर्वरकों के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए प्रेरित किया जा सके और मृदा स्वास्थ्य में सुधार हो। जैविक एवं प्राकृतिक खेती अपनाने से न केवल लागत में कमी आएगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण एवं कृषि की दीर्घकालीन स्थिरता भी सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि जैविक व प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से 2025-26 में 2 हजार क्लस्टर (50 हेक्टेयर प्रति क्लस्टर) के अनुसार एक लाख हेक्टेयर क्षेत्र में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया गया, जिसमें 2 लाख 50 हजार किसान जुड़े। इसी प्रकार 2026-27 में एक हजार क्लस्टर और एक लाख 25 हजार किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ा जाएगा। 3 हजार 600 प्रशिक्षित कृषि सखी एवं आत्मा योजना में चिन्हित 10 हजार कृषक मित्रों द्वारा जैविक एवं प्राकृतिक खेती का प्रचार- प्रसार कर किसानों में जागरूकता पैदा की जा रही है। परंपरागत कृषि विकास योजना में वर्ष 2026-27 में एक हजार क्लस्टर के 20 हजार किसानों को जैविक खेती से जोड़ा जाएगा। राजपाल ने अधिकारियों को किसानों को जागरूक करने के लिए व्यापक स्तर पर कृषक गोष्ठियों, कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रमों, रात्रि चौपालों एवं कार्यशालाओं का आयोजन करने, मीडिया के माध्यम से उर्वरकों के संतुलित उपयोग एवं जैविक विकल्पों के बारे में प्रभावी प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। बैठक में कृषि आयुक्त सु चिन्मयी गोपाल,आत्मा निदेशक हिरेंद्र कुमार शर्मा सहित सभी आईसीएआर संस्थानों के प्रभारी अधिकारी, कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रभारी, कृषि विश्वविद्यालयों के प्रसार शिक्षा निदेशक, खण्डीय अतिरिक्त निदेशक कृषि, संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) एवं जिला परिषदों के प्रतिनिधियों ने वी सी के माध्यम से भाग लिया।

कौशल विकास से महिलाओं को आगे बढ़ाने के अवसर दें, महिलाएं असंभव को भी संभव कर सकती है- राज्यपाल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि महिलाएं असंभव को भी संभव कर सकती हैं। वे अबला नहीं, सबला है। उन्होंने सावित्री बाई फुले, अहिल्या बाई और झांसी की रानी लक्ष्मी बाई के जीवन प्रसंग साझा करते हुए कहा कि यह सब महिला सशक्तिकरण की युग संवाहक थी। उन्होंने कलाओं के संरक्षण में महिलाओं की सहभागिता के साथ उनके कौशल विकास पर जोर दिया। राज्यपाल बागडे रविवार को कला संगम भगिनी फाउंडेशन के अधिवेशन में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महिलाओं के विकास, कला-संस्कृति संरक्षण और जीवन कौशल के लिए सभी मिलकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि सावित्री बाई फुले ने पुणे के भिड़े वाड़ा में अपने पति ज्योतिराव फुले के साथ मिलकर लड़कियों के लिए भारत का पहला स्कूल खोला था। अहिल्याबाई होलकर ने महिलाओं के लिए ही नहीं बल्कि संपूर्ण समाज के उत्थान, सांस्कृतिक पुनर्जागरण के लिए देश में ऐतिहासिक कार्य किए। रानी लक्ष्मीबाई ने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अद्भुत वीरता, अदम्य साहस और युद्ध कौशल का प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि महिलाएं हर चुनौती से मुकाबला बेहतर ढंग से करती है। उनके लिए समाज में अवसर बढ़ने चाहिए। इससे पहले राज्यपाल ने कला संगम फाउंडेशन द्वारा प्रकाशित पुस्तिका का भी विमोचन किया।

युवा अपने जीवन को सही दिशा में आगे बढ़ाएं और देश-प्रदेश के विकास में दें योगदान- भजनलाल शर्मा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि तन और मन से स्वस्थ रहना सुखी जीवन का मूल आधार है। हमारा देश युवाओं का देश है और इसी युवा तरुणाई को सिंचित रखने के लिए स्वस्थ रहना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब युवा बढ़ेगा तभी समाज और राष्ट्र आगे बढ़ेगा। ऐसे में युवा अपने जीवन को सही दिशा में आगे बढ़ाएं और अपने उद्देश्यों की पूर्ति करते हुए देश-प्रदेश के विकास में योगदान दें। शर्मा रविवार को जयपुर के अजमेर रोड स्थित महिन्द्रा वर्ल्ड सिटी में द टाइम्स ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित हाफ मैराथन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए सरकारी और निजी नौकरियों के साथ स्वरोजगार के अधिकाधिक अवसर प्रदान कर राज्य सरकार ने सवा दो साल में उनका भविष्य सुरक्षित करने का कार्य किया है। शर्मा ने आह्वान करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाएं और नीतियां युवाओं पर केंद्रित हैं। युवा इनका स्वयं भी लाभ उठाएं और अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने का प्रयास करें। मुख्यमंत्री ने हाफ मैराथन को फ्लैग ऑफ करने के बाद पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। इस दौरान द टाइम्स ऑफ इंडिया के डायरेक्टर अनुराग अग्रवाल, महिन्द्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स लिमिटेड के एमडी-सीईओ अमित कुमार सिन्हा सहित बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे। मैराथन में लोगों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

भगवान महावीर द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत विश्व की वर्तमान परिस्थितियों में प्रासंगिक - देवनानी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

महावीर जयंती के पावन अवसर पर राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। अपने संदेश में विधानसभाध्यक्ष देवनानी ने कहा कि भगवान महावीर का जीवन सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह और करुणा के उच्च आदर्शों का प्रतीक है। आज जब समाज को शांति,सहिष्णुता और नैतिक मूल्यों की अत्यंत आवश्यकता है,भगवान महावीर द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत विश्व की वर्तमान परिस्थितियों में और अधिक प्रासंगिक हो गए हैं। देवनानी ने कहा कि भगवान महावीर का संदेश 'जियो और जीने दो' मानवता के लिए एक सार्वभौमिक मार्गदर्शक मूल मंत्र है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे इस पावन अवसर पर उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाते हुए समाज में प्रेम, भाईचारे और सद्भावना को बढ़ावा दें। देवनानी ने विश्वास व्यक्त किया कि महावीर जयंती का यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आएगा तथा प्रदेश के विकास और सामाजिक सौहार्द को नई दिशा प्रदान करेगा।

मन की बात कार्यक्रम आज देश के करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा स्रोत बन चुका- पटेल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

संसदीय कार्य एवं विधि मंत्री जोगाराम पटेल ने रविवार को जोधपुर के झालामंड में कार्यकर्ताओं के साथ 'मन की बात' के 132 वें संस्करण को सुना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' की इस कड़ी में वैश्विक संघर्षों, ऊर्जा संकट, जल संरक्षण और युवा शक्ति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध और उससे उत्पन्न वैश्विक ऊर्जा संकट पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने संकट की घड़ी में भारतीय प्रवासियों की मदद के लिए खाड़ी देशों का आभार जताया और देशवासियों से एकजुट रहने तथा अफवाहों से बचने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय हितों के विषयों पर राजनीति के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ज्ञान भारतम सर्वे अभियान की सराहना की, जिसके तहत पांडुलिपियों का डिजिटल संरक्षण किया जा रहा है। उन्होंने भारत माई संगठन के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में जुटे युवाओं का जिक्र किया। उन्होंने आगामी 21 जून को 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के उपलक्ष्य में फिटनेस और खान-पान में चीनी व तेल की कटौती पर भी जोर दिया। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा 'मन की बात' कार्यक्रम आज देश के करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा का सबसे बड़ा स्रोत बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मंच के माध्यम से उन गुमनाम नायकों की कहानियों को दुनिया के सामने लाते हैं, जो समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए निःस्वार्थ भाव से कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री जी का यह संवाद केवल सूचनात्मक नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी को रेखांकित करता है।

लोकतंत्र सेनानियों का साहस और बलिदान देश के इतिहास में हमेशा स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा- जोराराम कुमावत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

जालोर शहर स्थित नंदीश्वरदीप जैन तीर्थ परिसर में रविवार को लोकतंत्र सेनानी-स्वर्ण जयंती सम्मेलन का आयोजन किया गया। पशुपालन एवं गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि वर्ष 1975 में लागू किए आपातकाल के दौरान उत्पन्न हुई विषम परिस्थितियों में नागरिकों के मौलिक अधिकार निलंबित कर दिए गए एवं प्रेस पर सेंसरशिप लागू की गई लेकिन ऐसे कठिन समय में भी लोकतंत्र सेनानियों ने अपने संघर्ष को जारी रखा और लोकतंत्र की ज्योति को प्रज्वलित रखा। लोकतंत्र सेनानियों का साहस और बलिदान देश के इतिहास में हमेशा स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा एवं उनका समर्पण और त्याग आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा राजस्थान लोकतंत्र सेनानी सम्मान निधि अधिनियम के तहत लोकतंत्र सेनानियों को 20 हजार रुपये मासिक पेंशन और 4 हजार रुपये की मासिक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। गर्ग ने आपातकाल के संघर्षों-अनुभव को साझा करते हुए आपातकाल के विरुद्ध लोकतांत्रिक आदर्शों की रक्षा के यज्ञ रूप में याद करने की बात कही। कार्यक्रम को राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, जालोर सांसद लुम्बाराम चौधरी, आहोर विधायक छगन सिंह राजपुरोहित, सिविल लाइन्स विधायक, जयपुर गोपाल शर्मा ने भी संबोधित करते हुए भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था के मूल्यों, परम्परा, आपातकाल के प्रभाव और नागरिक स्वतंत्रता पर विचार व्यक्त किए। लोकतंत्र सेनानी व वरिष्ठ अधिवक्ता मधुसूदन व्यास ने आपातकाल के दिनों को याद करते हुए लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष, लोकतंत्र को बचाने के लिए किए प्रयासों के वृतांत और अनुभव भी साझा किए। कार्यक्रम में लोकतंत्र सेनानियों एवं उनके आश्रितों को शॉल व स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर लोकतंत्र सेनानी कैलाश सोनी, बंशीसिंह चौहान, गेनाराम मेघवाल, हरिशंकर राजपुरोहित, भगाराम सुथार, सूरजप्रकाश व्यास, मती मि बाई पत्नी लोकतंत्र सेनानी स्व. चम्पालाल मुणोत, रवि सोलंकी, दीपसिंह धनानी, महेन्द्र मुणोत, सुरेश सोलंकी सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

चिकित्सा मानव जीवन के संरक्षण और संवर्धन का संवेदनशील दायित्व- वासुदेव देवनानी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि चिकित्सा केवल उपचार का माध्यम नहीं बल्कि मानव जीवन के संरक्षण और संवर्धन का संवेदनशील दायित्व है। विधानसभाध्यक्ष देवनानी रविवार को जयपुर के मानसरोवर में प्रियंका हॉस्पिटल एंड कार्डियक सेंटर हार्ट और लंग ट्रांसप्लांट ओपीडी के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। देवनानी ने कहा कि जयपुर में अत्याधुनिक हार्ट क्लीनिक की स्थापना प्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिससे गंभीर हृदय रोगों के मरीजों को अब स्थानीय स्तर पर ही विशेषज्ञ सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने इस पहल को चिकित्सा क्षेत्र में 'नई दिशा का उद्घाटन' बताते हुए कहा कि इससे राजस्थान के मरीजों को बड़े महानगरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। देवनानी ने भारतीय परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारे वेदों और उपनिषदों में हृदय को केवल एक शारीरिक अंग नहीं बल्कि चेतना का केंद्र माना गया है और गया है कि 'हृदय ही चेतना, इंद्रियों और मन का आश्रय है।' देवनानी ने कहा कि अत्यधिक चिंता, भय, क्रोध, असंयमित आहार और अनियमित जीवनचर्या हृदय को दुर्बल बनाते हैं और ये आज हृदय रोगों के बढ़ते मामलों के प्रमुख कारण भी हैं। देवनानी ने आयुर्वेद में वर्णित दिनचर्या और ऋतुचर्या को आधुनिक जीवनशैली में अपनाने पर बल देते हुए कहा कि योग, प्राणायाम और सूर्य नमस्कार न केवल शरीर को स्वस्थ रखते हैं बल्कि मानसिक संतुलन बनाए रखने में भी सहायक हैं। उन्होंने कहा कि नियमित योग और संतुलित जीवनशैली अपनाकर हृदय रोगों के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। देवनानी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर योग को मिली पहचान का भी उल्लेख किया और कहा कि पूरे विश्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाना भारत की प्राचीन परंपरा का वैश्विक सम्मान है। देवनानी ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा संचालित स्वास्थ्य योजनाओं का उद्देश्य आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना और एक स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण करना है। उन्होंने नियमित स्वास्थ्य जांच, नशामुक्ति, संतुलित आहार और तनाव प्रबंधन को हृदय रोगों की रोकथाम के लिए आवश्यक बताया।

मुख्य सचिव ने किया सांगानेर स्थित सीईटीपी एवं द्रव्यवती नदी क्षेत्र का निरीक्षण

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास द्वारा रविवार को सांगानेर स्थित कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) एवं द्रव्यवती नदी के आस-पास के क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। उन्होंने इस दौरान निर्देश दिए कि सांगानेर एनवायरों प्रोजेक्ट डवलपमेंट के द्वारा ब्राह्मणों की ग्वार में प्रस्तावित पंपिंग स्टेशन का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा किया जाए, जिससे शेष 134 उद्योगों को सीईटीपी से जोड़ा जा सके। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सांगानेर एनवायरों प्रोजेक्ट डवलपमेंट को अपने सदस्यों से विचार-विमर्श कर सीईटीपी के संचालन में भी आ रही तकनीकी खामियों के निवारण हेतु प्रयास करने एवं इस संबंध में समयबद्ध कार्ययोजना राज्य सरकार को प्रस्तुत करनी होगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के स्पष्ट निर्देश है कि सभी औद्योगिक इकाइयों को सीईटीपी से शीघ्र जोड़ा जाए और इसका उपयोग सुनिश्चित किया जाए। मुख्य सचिव वी. निवास द्वारा नियमों की पालना नहीं पाए जाने पर, दोषी उद्योगों के विरुद्ध नियमानुसार प्रभावी कार्यवाही करने हेतु राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल को निर्देशित किया गया, जिससे द्रव्यवती नदी में इन उद्योगों द्वारा डाले जाने वाले प्रदूषित औद्योगिक जल की समस्या का स्थाई समाधान हो सके। सीईटीपी से जुड़े सभी वस्त्र प्रसंस्करण उद्योगों को मण्डल से सम्मति (ष्ट्रष्ठङ्कह्ळ्ठ) प्राप्त कर ही उद्योग के संचालन करने हेतु निर्देश दिए गए। सांगानेर एनवायरों प्रोजेक्ट डवलपमेंट के डायरेक्टर प्रवीण शाह ने बताया कि 892 वस्त्र प्रसंस्करण उद्योगों के लिए सांगानेर स्थित 12.3 एमएलडी क्षमता के सीईटीपी का संचालन सांगानेर एनवायरों प्रोजेक्ट डवलपमेंट द्वारा किया जा रहा है। वर्तमान में 892 वस्त्र प्रसंस्करण उद्योगों में से 758 उद्योग ही सीईटीपी से जुड़ सके हैं। शेष 134 उद्योग ब्राह्मणों की ग्वार में प्रस्तावित पंपिंग स्टेशन के निर्माण कार्य पूर्ण होने पर जुड़ सकेंगे।उन्होंने बताया कि सीईटीपी के संचालन में भी कुछ तकनीकी कारण होने की वजह से, पूर्ण क्षमता पर संचालन इन खामियों को दूर करने के पश्चात ही किया जा सकेगा। उल्लेखनीय है कि 28 मार्च को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित राज उन्नति की तीसरी बैठक में दिए गए निर्देशों की अनुपालना में यह निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल डॉ. देवाशीष पृष्टी, आयुक्त, जयपुर विकास प्राधिकरण सिद्धार्थ महाजन, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल के सदस्य सचिव कपिल चंद्रवाल, सांगानेर एनवायरों प्रोजेक्ट डवलपमेंट के डायरेक्टर, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर नगर निगम एवं राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गोशालाओं को गाय और बछड़े के चारे के लिए मिल रहा अनुदान- भजनलाल शर्मा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि संतों का जीवन विश्व कल्याण एवं सनातन संस्कृति के संरक्षण के लिए समर्पित होता है। इनका सानिध्य मिलने से व्यक्ति अपने जीवन और कर्मों को सार्थकता की ओर ले जाता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परम्पराओं के संरक्षण व संवर्धन के लिए काम कर रही है। शर्मा रविवार को जयपुर में नेटवर्क 10 के संत संसद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमने गत दो वर्षों में राजकीय मंदिरों में वर्ष भर उत्सवों के भव्य आयोजन के लिए वित्तीय स्वीकृतियां दी हैं। साथ ही, पुजारियों का मानदेय भी बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के तीर्थ स्थलों के संरक्षण और विकास के लिए काम कर रही है। पूंछरी का लौठा, खाटूश्याम जी और तीर्थराज पुष्कर सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों के विकास के लिए रोडमैप बनाकर कार्य किए जा रहे हैं। हमारी सरकार कृष्ण गमन पथ के जरिए सनातन संस्कृति को संरक्षित करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। शर्मा ने कहा कि गौ संरक्षण और संवर्धन के लिए हमारी सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। गोशालाओं में गाय को चारे के लिए प्रतिदिन 50 रुपये एवं बछड़े के चारे के लिए प्रतिदिन 25 रुपये का अनुदान दिया जा रहा है। इसके अलावा गोशाला में टीनशेड, पानी एवं पर्याप्त चिकित्सा व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। इस अवसर पर गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, विधायकगण कुलदीप धनकड़ व बालमुकुंदाचार्य, मेहंदीपुर बालाजी के महंत 1008 नरेश पुरी जी महाराज सहित बड़ी संख्या में साधु-साध्वीगण उपस्थित रहे।

जयपुर जिला प्रशासन का रास्ता खोलो अभियान गढ़ रहा सुशासन की नई पहचान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

एक प्रशासनिक पहल आमजन के जीवन में किस तरह ठोस और सकारात्मक बदलाव ला सकती है, इसका जीवंत और प्रेरक उदाहरण जयपुर जिले की लसाड़िया पंचायत में देखने को मिलता है। कभी गड्ढा से चकवाड़ा तक पहुंचना ग्रामीणों के लिए काफी परेशानी भरा था। 17 किलोमीटर का लंबा और थकाऊ सफर, समय की बर्बादी और रोजमर्रा की परेशानियां उनकी नियति बन चुकी थीं। लेकिन आज वही रास्ता उम्मीद, राहत और बदलाव की कहानी कहता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की प्रेरणा से चलाए जा रहे रास्ता खोलो अभियान के तहत 30 वर्षों से बंद पड़ा यह मार्ग जब खुला, तो मानो ग्रामीणों की जिंदगी ही बदल गई। अब गड्ढा से चकवाड़ा की दूरी 17 किलोमीटर से सिमटकर महज 7 किलोमीटर रह गई है। यह केवल दूरी कम होने की बात नहीं, बल्कि रोज की मशक्कत, अतिरिक्त खर्च और समय की बर्बादी से मुक्ति की कहानी है। ग्रेवल सड़क बनने से यह राहत और भी सहज हो गई है, अब किसान अपनी उपज आसानी से बाजार तक पहुंचा पा रहे हैं, बच्चे बिना थके स्कूल जा रहे हैं और जरूरत के समय चिकित्सा सुविधाएं भी तेजी से उपलब्ध हो पा रही हैं। लसाड़िया की यह सफलता की कहानी भले ही एक उदाहरण हो, लेकिन इसके पीछे छिपा बदलाव बहुत व्यापक है। जयपुर जिले में महज 17 महीनों में ही कम समय में लसाड़िया की तर्ज पर 1800 से अधिक वर्षों से अवरुद्ध रास्तों को खुलवाकर लाखों ग्रामीणों के जीवन को सरल और सुगम बनाया गया है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के कुशल निर्देशन और सतत मॉनिटरिंग में यह अभियान केवल प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, बल्कि संवेदनशील शासन का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है। संवाद, सहमति और समझाइश के माध्यम से वर्षों पुराने विवादों को सुलझाते हुए गांवों, ढाणियों और खेतों तक जाने वाले रास्तों को फिर से जीवंत किया गया है। अतिरिक्त जिला कलक्टर आशीष कुमार ने बताया कि 15 नवम्बर 2024 से 29 मार्च 2026 तक की अवधि में इस अभियान के तहत कुल 1 हजार 802 रास्ते खुलवाए जा चुके हैं। प्रत्येक तहसील में हर सप्ताह न्यूनतम 3 रास्ते खुलवाने का लक्ष्य निर्धारित कर प्रशासन ने कार्य को निरंतरता प्रदान की है। अभियान के अंतर्गत फागी तहसील ने सर्वाधिक 154 रास्ते खुलवाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि मौजमाबाद तहसील ने 135 रास्ते खोलकर उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की गई। साथ ही उन्होंने बताया कि चौमूं में 109, शाहपुरा में 106, चाकसू में 100, फुलेरा में 99, जमवारामगढ़ में 96, आमेर में 94, दूदू में 92, रामपुरा डाबड़ी में 91, माधोराजपुरा में 86, बस्सी में 85, जोबनेर में 84, जालसू में 79, कोटखावदा में 78, किशनगढ़ में 77, तुंगा में 61, सांगानेर में 39, कालवाड़ में 10 तथा जयपुर तहसील में 5 रास्ते खोले गए हैं। इस अभियान से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुगम हुआ है, जिससे किसानों को खेतों तक कृषि मशीनरी ले जाने और उपज को बाजार तक पहुंचाने में सुविधा मिली है। आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बेहतर हुई है, वहीं विद्यार्थियों को स्कूल और कॉलेज जाने में अब लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ती। रास्ता खोलो अभियान ने न केवल भौतिक रूप से मार्गों को खोला है, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी सकारात्मक परिवर्तन लाते हुए वर्षों पुराने विवादों को समाप्त कर सामाजिक सौहार्द को सुदृढ़ किया है। सहमति आधारित इस पहल ने प्रशासन और आमजन के बीच विश्वास को और मजबूत किया है।

आईपीएल में आज होगा सीएसके और राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला

गुवाहाटी (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सोमवार को पांच बार की विजेता रही चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का पहला मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा। रॉयल्स की कप्तानी युवा रियान पराग करेंगे। वहीं सीएसके की कप्तानी रूतुराज गायकवाड़ के पास है। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन के सीएसके जाने के बाद पराग को कप्तानी दी गयी है। वहीं सीएसके नये नेतृत्व के तहत ही रूतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में उतरेगी।

इस मैच में दोनो ही टीमों में शामिल कुछ स्टार खिलाड़ी अपनी ही पुरानी टीमों से टकराते दिखें। लंबे समय तक रॉयल्स में रहे विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन इस बार सीएसके की ओर से खेलेंगे जबकि सीएसके के रविन्द्र जडेजा रॉयल्स की ओर से उतरेंगे। ऐसे में दोनों ही टीमों का रोमांचक मुकाबला होगा। सीएसके को सैमसन के आने से एक अच्छा बल्लेबाज और विकेट कीपर मिलेगा। वहीं जडेजा के आने से रॉयल्स की गेंदबाजी और बल्लेबाजी बेहतर होगी। सामने अपनी पुरानी टीमों को चुनौती देने की बारी होगी।

सैमसन ने हाल में टी20 विश्व कप में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। ऐसे में उनके फार्म में होने का लाभ सीएसके को मिलेगा। वह सीएसके टीम के कप्तान रूतुराज गायकवाड़ के साथ पारी शुरु करेंगे। सैमसन के पास लंबी पारी खेलने का अनुभव है जिसका लाभ सीएसके को मिलेगा। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण शुरुआती मैचों से बाहर रहेंगे। ऐसे में सैमसन को उनकी कमी पूरी करनी होगी। धोनी के बार होने से बायें हाथ के युवा स्पिन ऑलराउंडर प्रशांत वीर को टीम में अवसर मिल सकता है। इसके अलावा युवा कार्तिक शर्मा पर भी सबकी नजरें रहेंगी। कार्तिक तेजी से खेलने के लिए जोन जाते हैं।

सीएसके के पास मजबूत बल्लेबाजी क्रम है। युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस अब पहले से बेहतर हो चले हैं। वहीं शिवम दुबे मध्यक्रम के भरोसेमंद बल्लेबाज बन गए हैं। युवा आयुष म्हात्रे भी अच्छी बल्लेबाजी करते हैं। वहीं

सीएसएस की गेंदबाजी कुछ कमजोर नजर आती है। गेंदबाजी की जिम्मेदारी नूर अहमद, अकील हुसैन, मैट हेनरी और खलील अहमद के पास रहेगी।

वहीं रॉयल्स की बात करें तो जडेजा के आने से टीम का अनुभव और संतुलन बढ़ा है। टीम की बल्लेबाजी की कमान यशस्वी जायसवाल के पास रहेगी। टीम में युवा वैभव सूर्यवंशी भी नये रिकार्ड बनाना चाहेंगे। वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमायर के होने से भी टीम को लाभ मिलेगा। रॉयल्स की गेंदबाजी में जोफ्रा आर्चर के अलावा कोई भी ऐसा गेंदबाज नहीं है जो विशेष हो। पिछले सत्र के बाद टीम में कई बदलाव हुए हैं पर वह बेहतर गेंदबाज शामिल नहीं कर पायी है। स्पिन गेंदबाजी की कमान जडेजा और रवि बिश्नोई के पास रहेगी।

टीम इस प्रकार है

राजस्थान रॉयल्स: रियान पराग (कप्तान), ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, लुआन ड्रे प्रिटोरियस, रवि सिंह, अमन पेराला, शिमरोन हेटमायेर, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जायसवाल, रविंद्र जडेजा, सैम कुरेन, एडम मिल्ने, बृजेश शर्मा, जोफ्रा आर्चर, कुलदीप सेन, क्वेना मफाका, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई और संदीप शर्मा।

चेन्नई सुपर किंग्स: रूतुराज गायकवाड (कप्तान), संजू सैमसन, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, आयुष म्हात्रे, मैट हेनरी, अकील हुसैन, नूर अहमद, जैमी ओवर्टन, मैथ्यू शॉर्ट, खलील अहमद, जाक फोकेस, अंशुल कम्बोज, नाथन एलिस, सरफराज खान, राहुल चाहर, कार्तिक शर्मा, उर्विल पटेल, अमन खान, रामाकृष्णा घोष, प्रशांत वीर, श्रेयस गोपाल, गुरजपनीत सिंह और मुकेश चौधरी।

सबालेंका ने मियामी ओपन खिताब जीता, सनशाइन डबल भी हासिल किया

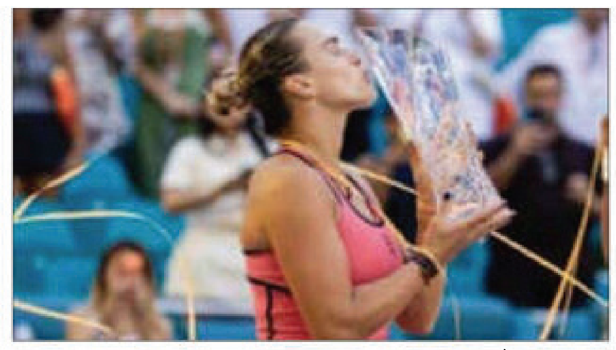

मियामी (एजेंसी)। बेलारुस की स्टार खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने मियामी ओपन टेनिस खिताब जीत लिया है। सबालेंका ने महिला एकल मुकाबले के फाइनल में अमेरिका की कोको गाफ को 6-2, 4-6, 6-3 से हराया। यह मुकाबला काफी रोमांचक रहा और इस जीत के साथ ही सबालेंका ने लगातार दूसरी बार मियामी खिबाब जीतने के साथ ही सनशाइन डबल की उपलब्धि भी हासिल कर ली। सनशाइन डबल तब होता है जब कोई खिलाड़ी एक ही सत्र में इंडियन वेल्स और मियामी में जीत हासिल करता है। सबालेंका ने इससे पहले इंडियन वेल्स में भी खिताब जीता था। सबालेंका अब साल 2022 में पोलैंड की इगा स्वीटेक के बाद सनशाइन डबल पूरा करने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले स्टेफी ग्राफ, किम क्लीजिस्टर्स और विक्टोरिया अजारेंका ने ही ये खिताब जीता है। इस प्रकार सबालेंका सनशाइन डबल जीतने वाली पांचवीं महिला खिलाड़ी बन गई हैं। सबालेंका ने खिताब मुकाबले का पहला सेट 6-2 से जीत लिया पर दूसरे सेट में गॉफ ने 6-4 से सेट जीतकर अच्छी वापसी की पर तीसरे सेट में सबालेंका ने एक बार फिर बाजी मार ली और शानदार सर्विस और विनर्स की सहायता से मैच जीत लिया। यह सबालेंका के करियर का 24वां डब्ल्यूटीए एकल खिताब है। वहीं कुल मिलाकर उनका 30वां खिताब है। इसमें चार ग्रैंड स्लैम एकल, दो ग्रैंड स्लैम डबल्स और कई डब्ल्यूटीए 1000 टाइटल शामिल हैं।

ओलंपिक पदक जीतना हर खिलाड़ी का होता है सपना : अनाहत

मुंबई (एजेंसी)। भारत की शीर्ष महिला स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह का कहना है कि उनकी लक्ष्य 2028 लॉस एंजिलिस 2028 खेलों में पदक जीतना है। अनाहत ने कहा कि ओलंपिक में पदक जीतने की चाहत हर खिलाड़ी में होती है। अनाहत ने कहा, यह पहली बार है जब इस खेल को ओलंपिक में जगह मिली है सभी खिलाड़ी इस अवसर का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, इससे पहले कोई भी स्क्वाश खिलाड़ी अधिक से अधिक राष्ट्रमंडल खेलों में खेल सकता था पर अब ओलंपिक में भी वह अपनी प्रतिभा दिखा सकता है। अनाहत ने कहा, आगले कुछ साल में मेरा लक्ष्य देश के लिए, पदक जीतना रहेगा। अभी वह जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन में खेलेंगी। इससे खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक हासिल करने का भी अवसर मिलेगा। इससे इस साल के अंत में होने वाले एशियाई खेलों के लिए लय बनाने में सहायता मिलेगी। अनाहत ने कहा कि वह एक समय में एक ही टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। वहीं पुरुष वर्ग में स्टार खिलाड़ी रमित टंडन ने कहा कि इस खेल को ओलंपिक में शामिल किए जाने से अब कारपोरेट जगत का ध्यान भी

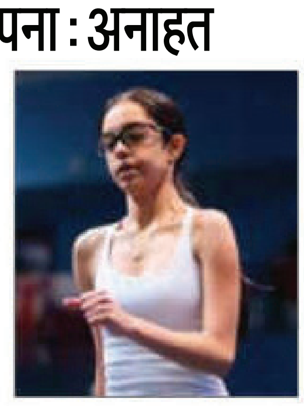

इसकी ओर गया है। रमित ने कहा, ओलंपिक विश्व खेल जगत का सबसे बड़ा आयोजन है और उसमें खेलना सभी का सपना होता है। साथ ही कहा कि हमारे खेल को जेएसडब्ल्यू और अन्य कारपोरेट घरानों के जुड़ने से भी लाभ हुआ है। ये ओलंपिक में शामिल होने से ही संभव हो पाया है। रमित ने कहा कि इसके ठीक बाद मैं लंदन में अगला टूर्नामेंट खेलने जा रहा हूं। रमित ने कहा, तैयारी के लिहाज से विश्व चैंपियनशिप काहिरा में है जो एक प्रभावित इलाका है। हम पीएसए से संदेश मिल रहे हैं जिनमें कहा गया है कि वे स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। वे तारीखों में थोड़ा-बहुत फेरबदल करने पर भी विचार कर रहे हैं।

आईपीएल के शुरुआती मैच में ही बने कई रिकार्ड

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच आईपीएल के पहले ही मैच में एक साथ कई रिकार्ड बने हैं। इस मैच में आरसीबी ने 15.4 ओवर में ही 202 रन बनाकर आईपीएल में सबसे तेजी से 200 रन बनाने का लक्ष्य अपने नाम किया। इससे पहले सबसे तेज 200 रनों का रिकार्ड राजस्थान रॉयल्स के नाम था जो उसने पिछले सत्र में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 15.5 ओवर में 212 रन बनाये थे। वहीं इस मैच में विराट कोहली ने नाबाद 69 रन बनाये। स प्रकार वह एक स्थल पर सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान ईशान ने

80 रनों की पारी के साथ ही अपने 3000 आईपीएल रन पूरे किये।

विराट ने बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में 28 बार पचास रन बनाए हैं। वहीं एक ही मैदान पर सबसे ज्यादा अर्धशतक के मामले में इंग्लैंड के जेम्स विंस दूसरे नंबर पर हैं। विंस के नाम द रोज बाउल, साउथैम्प्टन में 27 अर्धशतक का रिकार्ड है। कोहली ने आईपीएल में लक्ष्य का पीछा करते हुए 4000 रन बनाने का रिकार्ड भी अपने नाम किया है। इसके अलावा वह टी-20 क्रिकेट में 13,572 रन के साथ पाकिस्तान के शोएब मालिक को पीछे छोड़ते हुए छठे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने।वहीं सनराइजर्स ने इस मैच में 201 रन बनाने के साथ ही आरसीबी के खिलाफ खिलाफ सातवीं बार 200 से अधिक रन बनये हैं। वहीं सनराइजर्स के ईशान किशन ने कप्तान के तौर पर अपने पहले ही मैच में 80 रन बनाए। इस पारी के साथ वह आईपीएल में कप्तान के तौर पर अपने पहले ही मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गये हैं।

कप्तान स्टोक्स चोटिल कोने के कारण अगले दो माह तक खेल से बाहर हुए , गाल की हड्डी टूटी

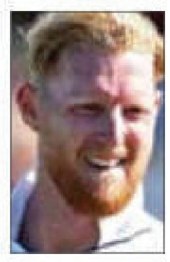

लंदन । इंग्लैंड की टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल होने के कारण अगले दो महीने के लिए खेल से बाहर हो गये हैं। स्टोक्स के गाल की हड्डी एक थ्रो लगने से टूट गयी है। ऐसे में अब वह दो माह बाद ही खेल के मैदान में वापसी कर सकेंगे। स्टोक्स की फरवरी में ही सर्जरी भी हुई थी। इसी कारण वह डरहम के लिए काउंटी सीजन के पहले महीने में उपलब्ध नहीं थे। डरहम अकादमी में स्टोक्स जब सर्जरी से उबरकर अभ्यास कर रहे थे तभी नेट्स में गेंद उनके चेहरे पर लग गयी। स्टोक्स इंग्लैंड लायंस की कोचिंग स्टाफ का हिस्सा थे। पाकिस्तान शाहीन्स के खिलाफ यूएई में व्हाइट-बॉल सीरीज में भी वह फिटनेस टेस्ट में असफल रहे थे। स्टोक्स डरहम की ओ से अगले सप्ताह केंट के खिलाफ सीजन ओपनर में खेलने वाले थे पर अब उनके सपनों पर पारी फिर गय है। टीम के मुख्य कोच ने कहा कि स्टोक्स शायद 8 मई से वॉर्सेस्टरशायर के खिलाफ पांचवें मैच से पहले नहीं खेल पाएंगे। वहीं डरहम के मुख्य कोच रयान कैंपबेल ने कहा कि इस प्रकार लगातार चोटिल होने से इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं। कैंपबेल ने कहा, 'यह घटना और भी खतरनाक हो सकती थी। अगर गेंद कुछ सेंटीमीटर अलग दिशा में लगती और उनकी आंख पर लग जाती, तो परिणाम क्या होता। इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। राहत की बात ये रही कि वह बच गये हैं।'

धोनी के बाहर होने से मिल सकता है युवा कार्तिक को अवसर

गुवाहाटी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी के शुरुआती मैचों से बाहर होने के कारण सोमवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने पहले मुकाबले में युवा बल्लेबाज कार्तिक शर्मा को अवसर दे सकती है। धोनी फिलहाल पिंडली की चोट से उबर रहे हैं और रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं। ऐसे में वह शुरुआती मैचों से बाहर रहेंगे। कार्तिक को सीएसके ने नीलामी में 14.2 करोड़ रुपये में खरीदा है। वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ियों में से एक बन गये हैं। सीएसके पिछले सत्र से ही इस खिलाड़ी को खरीदना चाहती थी। इसी कारण उसे हाई परफॉर्मेंस सेंटर में अभ्यास के लिए भेजा गया। कार्तिक मध्य क्रम में बल्लेबाजी करने के साथ विकेटकीपिंग भी करते हैं। ऐमें में टीम उन्हें भविष्य के लिए तैयार करना चाहेगी। कार्तिक ने घरेलू

क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने रणजी ट्रॉफी के पहले ही मैच में शतक लगाया था और इसके बाद लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे। विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 में उन्होंने 445 रन बनाए और टीम की ओर से सबसे अधिक रन बनाये। वहीं सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उन्होंने 11 पारियों में 334 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 162.92 रहा। कार्तिक भी धोनी की तरत मैच फिनिशर बनना चाहते हैं।

आईपीएल से हटने वालों के खिलाफ कड़े कदम उठाने की जरुरत : गावस्कर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है आईपीएल से हटने वाले खिलाड़ियों के खिलाफ केवल दो साल का प्रतिबंध ही काफी नहीं है। हससे भी अधिक सख्त कदम उठाने चाहिये जिससे कि कोई भी भविष्य में इस प्रकार से धोखा न करे। गावस्कर ने कहा कि जिस प्रकार से कई खिलाड़ी बहानेबाजी करते हैं उसे रोकने के लिए आईपीएल आयोजकों का कठोर नियम बनाने चाहिये। आईपीएल शुरु होने के ठीक पहले कुछ विदेशी खिलाड़ियों के अचानक वापस नाम लेने से टीमों की रणनीति बिखर गयी है। नाम वापस लेने वालों में इंग्लैंड के बेन डकेट और हैरी ब्रूक भी शामिल है। बीसीसीआई के नियमों के अनुसार अगर कोई खिलाड़ी नीलामी में बिकने के बाद टूर्नामिंट से नाम वापस लेता है तो उस पर 2 साल का प्रतिबंध लगता है पर गावस्कर का मानना है कि इससे अधिक अधिक कठोर कदमों की जरुरत है। गावस्कर ने कहा, 卐यह एक कठिन मामला है। डकेट की एशेज सीरीज बहुत अच्छी रही थी, और अगर उन्हें 'द हंड्रेड' की नीलामी में उतनी बड़ी रकम में नहीं खरीदा गया होता, तो वह आईपीएल खेल रहे होते। 'द हंड्रेड' में अच्छी कीमत पर खरीदे जाने के बाद, वह आईपीएल को छोड़ने और यह कहने में काफी खुश थे कि वह अपने टेस्ट करियर पर ध्यान देना चाहते हैं।' उन्होंने साथ ही कहा, 'लेकिन हां, इस बारे में बीसीसी को भी सोचना चाहिए कि क्या किया जाना चाहिए, क्योंकि दो साल का प्रतिबंध साफ तौर पर काम नहीं कर रहा है। आपको कुछ ऐसा करना होगा जिसका असर हो। जब तक इसका खिलाड़ी पर और उसके आईपीएल में वापसी के अवसरों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, तब तक यह नियम काम नहीं करेगा।卐 डकेट के लीग से हटने के फैसले ने खिलाड़ियों की प्रतिबद्धता और लीग के नियमों पर सवाल उठने लगे हैं।

सैफ चैंपियनशिप 2026: बांग्लादेश से 1-1 से ड्रॉ खेलने के बावजूद ग्रुप में टॉप पर रहा भारत

माले (मालदीव) (एजेंसी)। भारतीय अंडर-20 पुरुष फुटबॉल टीम ने सैफ अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला और ग्रुप बी में टॉप पर जगह बनाई।

मैच की शुरुआत दोनों टीमों ने संभलकर की। बांग्लादेश ने मैदान की चौड़ाई का इस्तेमाल कर भारतीय डिफेंस को तोड़ने की कोशिश की, लेकिन भारत का डिफेंस काफी मजबूत नजर आया। धीरे-धीरे भारत ने खेल पर पकड़ बना ली और सेट-पीस (कॉर्नर, फ्री-किक) से मौके बनाने शुरू किए।

भारत के लिए मैच में पहला गोल विष्णु यादव ने 17वें मिनट में किया। उन्होंने कॉर्नर किक पर शानदार हेडर लगाकर टीम को बढ़त दिलाई। यह इस टूर्नामेंट में उनका दूसरा

गोल था, हालांकि बांग्लादेश ने हार नहीं मानी और पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में ही वापसी कर ली। बांग्लादेश के लिए मोहम्मद अब्दुल रियाद फहीम ने शानदार गोल करते हुए स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद भारत और बांग्लादेश के फॉरवर्ड खिलाड़ियों ने कई प्रयास किए, लेकिन दोनों टीमों का डिफेंस काफी मजबूत नजर आया।

पहले हाफ के अंत में एक फाउल के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों और स्टाफ के बीच जमकर बहस देखने को मिली। इस दौरान बांग्लादेश के कोच और भारत के गोलकीपिंग कोच को रेड कार्ड दिखाया गया।

दूसरे हाफ में भारत ने ज्यादा आक्रामक खेल दिखाया और कई मौके बनाए, लेकिन गोल नहीं कर सका। टीम ने जीत के लिए आखिर तक कोशिश की, लेकिन बांग्लादेश के डिफेंस ने शानदार प्रदर्शन किया। इस ड्रॉ के बावजूद भारत को कोई नुकसान नहीं हुआ, क्योंकि टीम पहले ही पाकिस्तान को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना चुकी थी। बेहतर प्रदर्शन के चलते भारत ग्रुप में पहले, जबकि बांग्लादेश दूसरे स्थान पर रहा।

भारतीय टीम की अब सेमीफाइनल में भिड़ंत भूटान से होगी। वहीं, टूर्नामेंट के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में बांग्लादेश का सामना नेपाल से होगा।

जापान ग्रांप्री : मर्सिडीज के 19 वर्षीय एंटोनेली ने लगातार दूसरी F1 रेस जीती

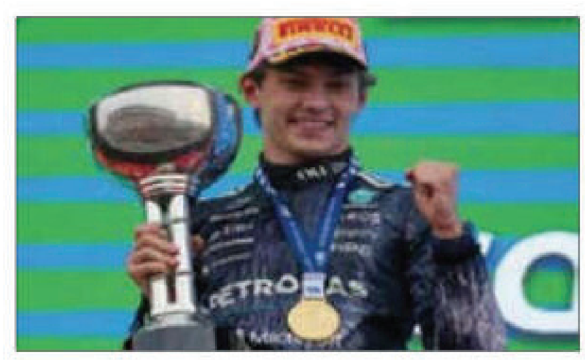

सुजुका । मर्सिडीज के 19 वर्षीय ड्राइवर किमी एंटोनेली ने रविवार को जापानी ग्रांप्री में मैकलारेन के ऑस्कर पियास्त्री को पछाड़ते हुए लगातार दूसरी फॉर्मूला वन (स्न1) रेस जीत ली। इटली के एंटोनेली ने ऑस्ट्रेलिया के ड्राइवर को 13.7 सेकंड के अच्छे अंतर से पछाड़ा। फेरारी के चार्ल्स लेक्लेर्क तीसरे और मर्सिडीज के जॉर्ज रसेल चौथे स्थान पर रहे। मैकलारेन के लैंडो नॉरिस पांचवें और फेरारी के लुईस हैमिल्टन छठे स्थान पर रहे। एंटोनेली ने अपने करियर की पहली एफवन रेस दो सप्ताह पहले चीन में जीती थी और वह इतिहास के दूसरे सबसे कम उम्र के विजेता हैं। सबसे कम उम्र के विजेता का रिकॉर्ड मैक्स वेरस्टैपेन के नाम है। उन्होंने 2016 में 18 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। एंटोनेली ने चीन में भी पोल पोजीशन (शीर्ष स्थान से रेस शुरू करने का अधिकार) से जीत दर्ज की थी। तीन रेस में एंटोनेली के 72 अंक हैं। वह अब सत्र की ड्राइवर की तालिका में शीर्ष पर पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। एंटोनेली ने कहा, 'चैंपियनशिप के बारे में सोचना अभी जल्दबाजी होगी, लेकिन हम अच्छी स्थिति में हैं।' उन्होंने कहा कि इस जीत के बावजूद उन्हें अपनी शुरुआत को बेहतर करने पर ध्यान देना होगा। इस युवा ड्राइवर ने कहा, 'मेरी शुरुआत खराब रही, मुझे बस यह देखना होगा कि क्या गलत हुआ। मुझे इसमें सुधार करना होगा क्योंकि इससे रेस में जीत या हार का बहुत बड़ा फर्क पड़ता है।'

विराट में अब भी किसी युवा बल्लेबाज जैसी रनों की भूख देखकर होती है हैरानी: अश्विन

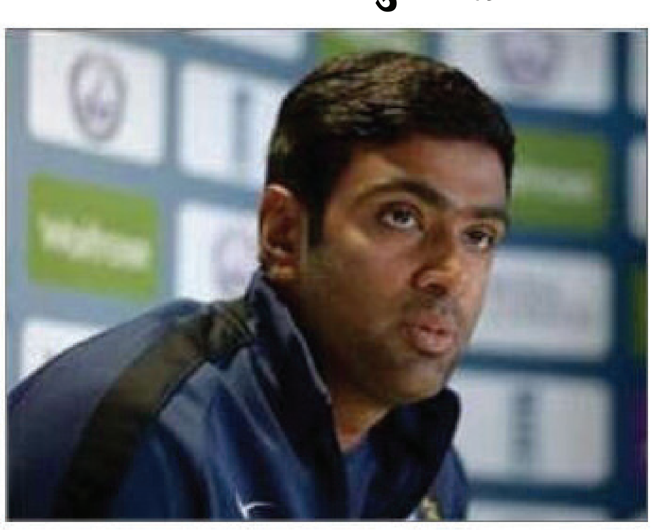

बेंगलुरु (एजेंसी)। दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की आईपीएल 2026 के पहले ही मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेली पारी की जमकर प्रशंसा की है। विराट इस मैच में पारी की शुरुआत से लेकर जीत का टिके रहे। इसी को लेकर अश्विन ने कहा है कि उनके अंदर आज भी रनों की पहले जैसी ही भूख है जो मुख्य रुप से युवा बल्लेबाजों में होती है।

अश्विन ने कहा, मुझे इस उम्र में वह काफी अजीब लगता है। मैं कभी-कभी हमारी बातचीत के दौरान उसे यह बताता हूं। वह 40 के आस-पास बल्लेबाज कर रहा था, एक साझेदारी चल रही थी और आरसीबी आराम से आगे बढ़ रही थी। वह पहला एक रन लेने के लिए दौड़ा, वहीं रुक गया जबकि दूसरा बल्लेबा अभी आधा भी नहीं पहुंचा था पर विराट पहले से ही दूसरा एक रन लेने का प्रयास कर रहा था। वह लेग साइड पर 57 मीटर की बाउंड्री थी और यह दिखाता है कि वह अभी भी गेम में कितना उत्साह लाता है।

अश्विन ने साथ ही कहा, वह जो कहता है, वही करता है। ऐसा लगता है जैसे वह लोगों को यह बताने के लिए एक शो कर रहा हो कि गेम कैसे खेलना चाहिए, इसे मेहनत से खेलना चाहिए और इसे वैसे ही खेलना चाहिए जैसा इसे खेला जाना चाहिए। विराट ने जो किया, उसके बारे में यह बात मेरे लिए सबसे अलग थी और अगर आससीबी इसी तरह बल्लेबाी करने वाली है, तो विराट को बस पूरे 20 ओवर खेलने की जरूरत है। विराट मैदाने पर टिके रहें तो रन आते रहंगे।

अब लीवरपूल को छोड़ रहे सालाह

लंदन । स्टार फुटबॉलर मोहम्मद सालाह लंबे समय के साथ के बाद अब इंग्लैड के लीवरपूल क्लब को छोड़ रहे हैं। सालाह ने कहा कि ये उनका लिवरपूल एफसी के साथ अंतिम सत्र है। वह अगले सत्र में अब किसी नई टीम से खेलेंगे। सालाह ने सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में कहा है कि लीवरपूल के साथ उनका समय पूरा हो गया है। इस खिलाड़ी ने कहा कि अब मेरी विदायी का समय है। मैं क्लब में बिताये समय को हमेशा याद रखूंगा। सालाह का अप्रैल 2025 में क्लब के साथ दो साल का अनुबंध हुआ था, वहीं क्लब की ओर कहा गया है कि उन दोनो के बीच सब कुछ तय हो गया है। इससे अब वह फ्री ट्रांसफर पर जा सकते हैं। सालाह ने क्लब की ओर से 34 मैचों में 10 गोल किए हैं। ये साल 2017 में क्लब में आने

के बाद से उनके सत्र के सबसे कम गोल हैं। पिछले कुछ समय में मैदान के बाहर की परेशानियों से वह जूझते रहे हैं। दिसंबर में लीड्स के साथ 3-3 के ड्रॉ के बाद सालाह ने कहा कि क्लब ने उन्हें बाहर करने का प्रयास किया था। साथ ही कहा था कि मुख्य कोच आर्नेट स्लॉट के साथ भी उनके संबंध खराब हो गये थे। था। उनके इसी साल जनवरी में क्लब से बाहर होने की संभावनाएं थीं पर अफ्रीका कप ऑफ नेशंस में शामिल होने के बाद उनको टीम में जगह मिल गयी। अब देखना होगा कि वह अगला सत्र किस टीम से खेलते हैं।

हमारा लक्ष्य खिताब फिर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर खिताब जीतना है : पाटीदार

-विराट अपने खेल के शिखर पर

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने सत्र के पहले ही मैच में जीत पर खुशी जताते हुए कहा है कि हम खिताब बचाने की मानसिकता के साथ नहीं उतरे हैं। पाटीदार के अनुसार आरसीबी लगातार सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर फिर से खिताब जीतना चाहती है। आरसीबी ने अपने पहले ही मैच में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएत) को छह विकेट से हराय है जिससे उसके हौंसले बलंद हैं। पाटीदार ने कहा कि वह टीम के अभियान को खिताब की जगह खिताब हासिल करने वाला मानते हें।

उन्होंने कहा, हम इस मानसिकता के साथ नहीं खेल रहे हैं कि कुछ बचाना है। हमने 2025 में जो किया, वह बीती बात थी। अब हम इस बार फिर खिताब जीतने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। आरसीबी की जीत में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के अलावा देवदत्त पडिक्कल और जैकब डफी के अच्छे प्रदर्शन की अहम भूमिका रही है। इसी को लेकर पाटीदार ने कहा, लक्ष्य का पीछा करने में कोहली शीर्ष पर हैं। मुझे हमेशा से ही उनकी बल्लेबाजी पसंद रही है और डगआउट से उन्हें खेलते देखना बहुत शानदार रहता है।

उन्होंने कहा, कोच एंडी फ्लावर और मुझे भी लगता है कि वह अपने खेल के सबसे उच्च स्तर पर हैं। उनकी पारी की प्रशंसा के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। वह मेरे आदर्श हैं और मैंने उन्हें नेट्स पर उसी ऊर्जा और तत्परता के साथ खेलते देखा है। मैं उन्हें नेट्स पर बल्लेबाजी करते देखकर बहुत कुछ सीख रहा हूं। वहीं मैच में तीन विकेट लेकर सनराइजर्स पर अंकुश लगाने वाले डफी को लेकर उन्होंने कहा, वह टी20 का विशेषज्ञ गेंदबाज है और हमें उस पर काफी भरोसा है। जिस तरह से वह खेल रहा है, जबर्दस्त है।

भरतपुर में ट्रैक्टर के टायर के नीचे आया मासूम, मौत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बयाना

गेहूं की थ्रेसिंग के दौरान ट्रैक्टर के टायर के नीचे आने से 12 साल के मासूम की मौत हो गई। मासूम परिवार के लोगों को खेत पर खाना देने गया था। घटना भरतपुर जिले के बयाना सदर थाना क्षेत्र के गांव खरैरी की है। सदर थाना एएसआई केदार सिंह ने बताया-दोपहर 1:30 बजे सूचना मिली कि थाना क्षेत्र के गांव खरैरी में ट्रैक्टर के नीचे आने से 12 साल के बच्चे की मौत हो गई है। सूचना पर टीम गांव में पहुंची। जहां बच्चे की पहचान अंशु (12) पुत्र सुनील के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि अंशु के पिता गुजरात में मजदूरी करते हैं। उसकी मां अपने पीहर गई हुई थी। इस दौरान अंशु अपने ताऊ के पास रह रहा था। अंशु के ताऊ राजेश जाटव ने बताया- खेत पर गेहूं की कटाई का काम चल रहा है। इसके लिए किराए पर ट्रैक्टर मंगवाया गया था। ट्रैक्टर में लगी थ्रेसर मशीन गेहूं निकाल रही थी। इस दौरान दोपहर 1:30 बजे अंशू खाना लेकर खेत पर आया। इस दौरान वह ट्रैक्टर के पास ही खड़ा था। अचानक से बैक गियर लगने से ट्रैक्टर पीछे की ओर लुढ़का और अंशु टायर के नीचे आ गया। सिर में गंभीर चोट लगने से अंशु की मौके पर ही मौत हो गई। एएसआई केदान सिंह ने बताया-बच्चे के शव के बयाना उप जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। अंशु (मृतक) के ताऊ ने ट्रैक्टर ड्राइवर के खिलाफ रिपोर्ट दी है।

मेजा डेम में डूबने से मामा- भांजे की मौत: नहाते समय गहराई में फंसे थे

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भीलवाड़ा

भीलवाड़ा के मेजा डेम में नहाने उतरे मामा-भांजे की डूबने से मौत हो गई। भांजा स्कूल की छुट्टियों में मामा के घर आया था और दोनों डेम में नहाने उतरे थे। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद गोताखोरों ने शवों को बाहर निकाला। हादसा मांडल थाना क्षेत्र के समेलिया गांव में रविवार दोपहर करीब 3 बजे हुआ। मांडल थाना पुलिस के अनुसार- डालचंद (25) पुत्र भगवानलाल बिश्नोई अपने भांजे भैरूलाल (10) पुत्र कैलाश बिश्नोई के साथ मेजा डेम पर गया था। इस दौरान दोनों नहाने के लिए डेम के कैचमेंट एरिया में भरे पानी में उतर गए। दोनों नहाते- नहाते पानी के बीच में चले गए, जहां गहराई अधिक थी। दोनों के चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास खेतों मे काम करने वाले लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक दोनों डूब चुके थे। इसकी सूचना ग्रामीणों ने पुलिस और गोताखोरों को दी। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद शाम करीब 4.15 बजे दोनों के शव पानी से बाहर निकाले जा सके। लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए। भैरूलाल परिवार में इकलौता बच्चा था। वह सातवीं क्लास में पढ़ता है। वह स्कूल की छुट्टी में मां के साथ मामा के घर आया था। उसके पिता की करीब 7 साल पहले ही मौत हो चुकी है। बच्चे का परिवार मांडल के दरीबा गांव में रहता है। मांडल थाना प्रभारी आयुष श्रोत्रिय ने बताया कि रविवार की शाम एक बच्चे और एक व्यक्ति की मेजा डेम में डूबने की सूचना मिली थी। गोताखोरों की टीम ने ग्रामीणों की मदद से दोनों की बॉडी बाहर निकाली। पुलिस ने शवों का पोस्टमॉर्टम करवाने के बाद परिजनों को सौंप दिया। फिलहाल मामले की जांच कर रहे हैं।

2 बाइक की भिड़ंत में तीन युवकों की मौत: एग्जाम देने जा रहे थे दो दोस्त

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भीलवाड़ा

भीलवाड़ा में तेज रफ्तार में आ रही दो बाइक में आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। एक गंभीर घायल हो गया। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार चारों युवक उछलकर 100 मीटर दूर तक गिरे। सड़क पर खून ही खून हो गया। दोनों बाइक के परखच्चे उड़ गए। हादसा जहाजपुर थाना क्षेत्र में रविवार सुबह करीब 9 बजे नेशनल हाईवे-14 (भीलवाड़ा-टोंक) पर धोड़ नाथून गांव के पास हुआ। एक बाइक पर सवार दो दोस्त एग्जाम देने जा रहे थे। लोकपाल सिंह ने बताया- दो बाइक पर चार लोग सवार थे। तेज स्पीड बाइक आमने-सामने भिड़ गईं। मौके पर ग्रामीणों और राहगीरों की भीड़ जुट गई थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने चारों युवकों को एंबुलेंस से जहाजपुर हॉस्पिटल पहुंचाया। इनमें से तीन युवकों को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। हनुमाननगर थाना क्षेत्र के टिकड़ गांव निवासी जितेंद्र (35) पुत्र अशोक मेघवंशी और इंटुदा के रहने वाले नरेंद्र (36) पुत्र हरजीराम मेघवंशी की मौत हो गई। दोनों एक ही बाइक पर सवार थे। दूसरी बाइक पर सवार विशाल (19) पुत्र हनुमान सिंह राजपूत निवासी जोझर, थाना शक्करगढ़ की भी मौत हुई है। शवों को मॉर्च्युरी में रखवाया गया। विशाल के साथ बाइक पर सवार उसी के गांव का राहुल (18) पुत्र सरदार सिंह हॉस्पिटल में भर्ती है। एसएचओ ने बताया- विशाल और राहुल, दोनों प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे थे। दोनों आज राजस्थान स्टेट सर्टिफिकेट इन इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी का एग्जाम देने जोझर गांव से जहाजपुर आ रहे थे। वहीं दूसरी बाइक पर सवार जितेंद्र और नरेंद्र भी दोस्त थे। वे किसी काम के सिलसिले में घर से निकले थे।

रविंद्र सिंह भाटी के खिलाफ उतरा रावणा राजपूत समाज, भजन गायक छोटू सिंह को सुरक्षा की मांग

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बाड़मेर

शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी और भजन गायक छोटूसिंह रावणा का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। रविवार को छोटूसिंह रावणा के समर्थन में रावणा राजपूत समाज सड़कों पर उतर गया। कलेक्ट्रेट के आगे प्रदर्शन किया। एसपी ऑफिस पहुंचकर पुलिस अधिकारियों को ज्ञापन दिया। पूरे मामले की जांच कर शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। वहीं छोटूसिंह रावणा को सुरक्षा उपलब्ध करवाने की गुहार लगाई हैं। दरअसल, भजन गायक छोटूसिंह रावणा ने शुक्रवार को रविंद्र सिंह भाटी से जुड़ी एक सोशल मीडिया पोस्ट पर कमेंट किया था। छोटूसिंह का दावा है कि भाटी ने मुझे फोन करके डराया-धमकाया और अप्रत्यक्ष रूप से जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद भाटी ने इस मामले में प्रतिक्रिया देते हुए कहा- लोग अक्सर दूसरों के कंधों का इस्तेमाल करते हैं, इसलिए कभी भी किसी का टूल नहीं बनना चाहिए। रावणा राजपूत समाज के सुरेंद्र सिंह दहिया ने कहा- विधायक रविंद्र सिंह भाटी की ओर से भजन गायक छोटू सिंह रावण को धमकी भरे लहजे से मारने की बात कहने से दोनों समाजों के बीच में वैमनस्य बढ़ा है। रावणा राजपूत समाज इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा करता है। दहिया ने बताया कि पहले भी रविंद्र सिंह भाटी ने एक अमर्यादित टिप्पणी करने पर शिव के गरीब नाथ जी के मठ में माफी मांगी थी। दहिया का कहना है कि छोटूसिंह रावणा को अकेला नहीं समझे, उनके साथ पूरा समाज खड़ा है। समाज ने ऐलान किया है कि आगामी दिनों में पूरे राजस्थान के रावणा राजपूत समाज रविंद्र सिंह भाटी के खिलाफ सड़कों पर उतरकर इस घटना के विरोध में आंदोलन करेंगे।

गायक की सुरक्षा की उठी मांग

प्रदर्शन के दौरान समाज के लोगों ने भजन गायक छोटू सिंह रावणा की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई. उनका कहना है कि धमकी के बाद उनकी जान को खतरा हो सकता है इसलिए पुलिस प्रशासन को उन्हें सुरक्षा मुहैया करानी चाहिए ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके. रावणा राजपूत समाज के प्रतिनिधियों का कहना है कि इस घटना के बाद दोनों समाजों के बीच तनाव बढ़ रहा है. समाज के लोगों ने इस मामले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि इस तरह की घटनाएं आपसी सौहार्द को नुकसान पहुंचाती हैं और माहौल खराब करती हैं.

पुराने विवादों का भी किया जिक्र

समाज के प्रतिनिधि सुरेंद्र सिंह ने बताया कि यह पहली बार नहीं है जब विधायक पर इस तरह के आरोप लगे हैं. इससे पहले भी उन्होंने समाज की एक बेटी पर अमर्यादित टिप्पणी की थी जिसके बाद उन्हें सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी पड़ी थी. उन्होंने कहा कि छोटू सिंह रावणा अकेले नहीं हैं पूरा समाज उनके साथ खड़ा है.

आंदोलन की दी चेतावनी

रावणा राजपूत समाज ने साफ किया है कि अगर इस मामले में जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो पूरे राजस्थान में बड़ा आंदोलन किया जाएगा. समाज के लोगों ने कहा कि आने वाले दिनों में राज्यभर में विरोध प्रदर्शन तेज किया जाएगा.

रामपाल जाट बोले- शासन बिना भेदभाव के धर्म कर्तव्य निभाएं: टोंक में किसानों की समस्याएं सुनीं

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा टोंक

किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट का कहना है कि शासन को बिना भेदभाव के अपने धर्म कर्तव्य का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि टोंक में गत दिनों हुई पथराव की घटना और बिजली निगम की रेड को लेकर कहा कि भारतीय संविधान के अनुसार जाति, संप्रदाय, निवास स्थान, लिंग के आधार पर भेदभाव करना वर्जित है। ऐसे में धर्म कर्तव्य का ही पालन होना चाहिए। टोंक कृषि मंडी में रविवार को किसानों की समस्याएं सुनने पहुंचे रामपाल जाट ने मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि जब शासन राजनीतिक लाभ के लिए भेदभाव करने लगे तो 'करेला और नीम चढ़ा' की स्थिति बन जाती है। उन्होंने कहा- समाज में शांति एवं सौहार्द स्थापित करने के उल्टी दिशा में कार्य करना राजधर्म का उल्लंघन है। इन्हीं मापदंडों पर टोंक के प्रकरण का अवलोकन करें तो राज धर्म के विपरीत स्वयं के राजनीतिक दल को लाभ पहुंचाने के लिए मानवाधिकारों पर आक्रमण संवैधानिक मर्यादा लांघने की पराकाष्ठा है। इसके बाद भी नगर परिषद के अध्यक्ष, ग्राम पंचायत के सरपंच तक की चुप्पी आश्चर्य और दुख का विषय है। इसी चुप्पी के कारण नगर परिषद टोंक के द्वारा एक पखवाड़े से भी अधिक समय से सफाई कार्य बंद करने से टोंक शहर के निवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कल(शनिवार) विद्युत विभाग ने पर्याप्त अवसर दिए बिना ही घरों से बिजली कनेक्शन काट कर जनता को अंधकार में धकेलने का काम कर दिया । जाट ने कहा कि पथराव की घटना को लेकर अनेक व्यक्तियों को यातनाएं दी गई और कईयों को अवैध रूप से निरुद्ध भी रखा गया। स्वतंत्रता प्राप्ति के 79 वर्ष बाद ऐसी स्थिति उत्पन्न करना सर्वथा निंदा योग्य है। इससे तो जनता को परतंत्रता का आभास होता है। यह संविधान में चुनाव आयोग की ओर से निष्पक्ष चुनाव पर भी प्रश्न चिन्ह है। राजनीतिक लाभ के लिए सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग लोकतंत्र की हत्या जैसा ही है। इस संबंध में निष्पक्ष जांच के लिए राजस्थान के मुख्यमंत्री को पत्र भी लिखा है। टोंक आगमन पर किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट ने पीड़ितों से भी रूबरू होकर उनकी समस्याओं को जाना और हक की लड़ाई के लिए हर संभव प्रयास करना का आश्वासन दिया। इस अवसर पर किसान महापंचायत युवा प्रदेश अध्यक्ष रामेश्वर चौधरी, अकबर खान आदि मौजूद रहे।

पीट-पीटकर भतीजे ने की चाचा की हत्या: एफएसएल टीम जुटाए सबूत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा डूंगरपुर

डूंगरपुर के दोवड़ा थाना क्षेत्र के देवला फला मूंगाना गांव में पुराने जमीनी विवाद व रास्ते में पेड़ काटने को लेकर हुए झगड़े में एक भतीजे व उसके परिवार जनों ने चाचा की पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में शव को रखवाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। डूंगरपुर जिले के दोवड़ा थाने के सीआई परमेश्वर पाटीदार ने बताया कि थाने पर देवला फला मूंगाना गांव में एक व्यक्ति की हत्या की सूचना मिली थी। सूचना पर मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक गटू का अपने भतीजे रमेश से जमीन को लेकर पुरानी रंजिश चल रही थी। वहीं, आज विवादित जमीन पर खड़े एक पेड़ की कटाई को लेकर गटू और उसके भतीजे रमेश के बीच झगड़ा हो गया। झगड़े के दौरान रमेश के परिवार के लोग भी शामिल हो गए और सभी ने मिलकर पीट-पीटकर गटू की हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस की सूचना पर एफएसएल की टीम भी मौके पर पहुंचे और मौके से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को मौके से उठवाकर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मृतक गटू खेतीबाड़ी ओर मजदूरी का काम करता है। उसकी पत्नी, 2 बेटे ओर 1 बेटी है। घटना के समय एक बेटा और बेटी बाहर थे। जबकि छोटा बेटा घर पर था।

युवक की आत्मा लेने अस्पताल पहुंचे परिजन, एमबीएस अस्पताल में अंधविश्वास का हाई वोल्टेज ड्रामा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटा

जिले में एक बार फिर संभाग के सबसे बड़े एमबीएस अस्पताल में अंधविश्वास का नजारा देखने को मिला। यहां इलाज के दौरान हुई युवक की मौत के बाद उसकी आत्मा लेने के लिए परिवार के लोग अस्पताल पहुंच गए। हालांकि अस्पताल में मौजूद सुरक्षा गार्ड्स और पुलिसकर्मियों ने उन्हें अस्पताल में अंदर जाने से मना कर दिया। इसके बाद परिवार के लोग पास ही मंदिर में पूजा-पाठ करने लग गए। बता दें कि इस तरह के तंत्र-मंत्र की प्रक्रिया अस्पताल में पहली बार नहीं हुई है, इसके पहले भी कई बार इस तरह की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। जानकारी के मुताबिक बूंदी जिले के चेता गांव निवासी ओमप्रकाश सेन की सड़क दुर्घटना में साल 2022 में मौत हो गई थी। ओमप्रकाश का कोटा एमबीएस अस्पताल के आईसीयू वार्ड में उपचार चल रहा था। उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया था। ओमप्रकाश के भाई दुर्गाशंकर का कहना है कि उसकी मौत के बाद से ही परिवार में काफी परेशानियां चल रही हैं। इस समस्या को लेकर परिवार के लोग गांव में ही एक भोपे के पास गए थे। भोपे ने उन्हें बताया कि जिसकी मौत हुई है, उसकी आत्मा को भी शांति नहीं मिली है। इसके लिए जहां पर उसने आखिरी बार दम तोड़ा था, वहीं पर जाकर पूजा-अर्चना करनी पड़ेगी। भोपे की बात पर विश्वास कर परिवार के लोग रविवार को अस्पताल पहुंच गए और थाली में पूजा की सामग्री लेकर अस्पताल के अंदर प्रवेश करने लगे लेकिन सुरक्षा गार्ड में उन्हें बाहर ही रोक लिया और अंदर नहीं जाने दिया। इस दौरान कुछ देर तक हंगामे की स्थिति भी बनी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने भी उन्हें अस्पताल के अंदर जाने से मना कर दिया। इसके बाद परिवार के लोग अस्पताल परिसर में ही बने मंदिर के पास बैठ गए और पूजा-अर्चना कर वहीं से वापस चले गए।

पत्नी की कुल्हाड़ी से हत्या, पति 24 घंटे में गिरफ्तार: पुलिस ने दबोचा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बारां

बारां के कवाई थाना क्षेत्र में पत्नी की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी पति को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने घरेलू विवाद के चलते कुल्हाड़ी से अपनी पत्नी की हत्या कर दी थी। पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु ने बताया कि 28 मार्च 2026 को सूचना मिली थी कि ग्राम दिलोद निवासी विमला बाई (36) पर उसके पति दयाचंद ने हमला किया है। कवाई थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कवाई ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पति-पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते आरोपी दयाचंद ने कुल्हाड़ी से हमला कर वारदात को अंजाम दिया और मौके से फरार हो गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए, एएसपी राजेश चौधरी के सुपरविजन और अटरू डीएसपी रामानंद यादव के नेतृत्व में कवाई थाना प्रभारी राजपाल सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी संसाधनों का उपयोग करते हुए और संभावित ठिकानों पर दबिश देकर आरोपी दयाचंद (40) निवासी गेहुखेड़ी (हाल दिलोद) को घटना के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ जारी है और पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है।

जालोर में 1 करोड़ की चोरी का पर्दाफाश

55 तोला सोना और 4 किलो चांदी बरामद, मास्टरमाइंड गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जालोर

राजस्थान के जालोर जिले की बागोड़ा पुलिस ने एक बड़ी चोरी की गुत्थी सुलझाते हुए गिरोह के सरगना को गिरफ्तार कर लिया है. करीब पांच महीने से फरार चल रहे इस शातिर बदमाश की गिरफ्तारी से पुलिस ने इलाके में सक्रिय नकबजन गिरोह की कमर तोड़ दी है. पुलिस के जरिए बरामद किए गए गहनों की कीमत करीब 1 करोड़ रुपये आंकी गई है.

बंद पड़े मकान पर चोरों ने लाखों के गहनों पर किया हाथ साफ

घटना 5 नवंबर 2025 की है, जब देवदा का गोलिया के रहने वाले रामाराम ने बागोड़ा थाने में चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी. रामाराम ने बताया था कि उसके भाई के बंद पड़े मकान के ताले तोड़कर अज्ञात चोरों ने लाखों के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया था. जिसकी शिकायत उसने थाने में दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने गंभीरता से जांच शुरू की थी.

मास्टरमाइंड पर था इनाम

जांच के दौरान पुलिस ने पहले ही गिरोह के दो सदस्यों- भरत कुमार और मदनसिंह को गिरफ्तार कर लिया था, जबकि एक किशोर को भी निरुद्ध किया गया था. लेकिन, इस पूरे गिरोह का मास्टरमाइंड अर्जुनसिंह (जिसने इस वारदात को अंजाम दिया था) लगातार पुलिस को चकमा दे रहा था, लेकिन शनिवार को आखिरकार बागोड़ा पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर अर्जुनसिंह को धर दबोचा. थानाधिकारी बलदेवराम ने मामले को लेकर जानकार दी की जांच और पूछताछ में पुलिस ने अर्जुनसिंह की निशानदेही पर उसके कई ठिकानों पर छापेमारी की. जिसमें करीब 4 किलो चांदी के आभूषण, 55 तोला सोने के आभूषण बरामद किए हैं. बरामद माल की कुल कीमत बाजार में करीब 1 करोड़ रुपये बताई जा रही है. पूछताछ में सामने आया कि यह गिरोह बेहद शातिर तरीके से काम करता था. आरोपी पहले दिन में सूने मकानों की 'रेकी' (निगरानी) करते थे और रात के अंधेरे में ताले तोड़कर चोरी को अंजाम देते थे. पकड़े गए मास्टरमाइंड से पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और अन्य वारदातों के बारे में भी पूछताछ कर रही है

केरलम चुनाव के लिए कांग्रेस ने चला इंदिरा गारंटी का दांव, वेणुगोपाल बोले- इससे तय होगी हमारी जीत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिरुवनंतपुरम

केरलम में आगामी विधानसभा चुनाव में होने वाले सियासी दंगल को लेकर सभी राजनीतिक दलों ने कमर कस ली है। इस बीच कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने दावा किया है कि कांग्रेस की इंदिरा गारंटी केरल में आगामी चुनावों में सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा बनकर उभर रही है। उन्होंने बताया कि पार्टी के उम्मीदवार चुनाव प्रचार के दौरान घर-घर जाकर गारंटी कार्ड वितरित कर रहे हैं। महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा: सरकारी बसों में सभी महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की सुविधा। स्वास्थ्य बीमा: ओमान चांडी स्वास्थ्य बीमा के तहत सभी परिवारों को 25 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवरेज। छात्राओं के लिए वित्तीय सहायता: कॉलेज जाने वाली सभी लड़कियों को प्रति माह 1000 रुपये की आर्थिक सहायता। कल्याण पेंशन में वृद्धि: कल्याण पेंशन को बढ़ाकर 3000 रुपये प्रति माह करना। युवाओं के लिए ब्याज-मुक्त ऋण: युवाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए 5 लाख रुपये तक का ब्याज-मुक्त ऋण। के.सी. वेणुगोपाल ने इन गारंटियों को पवित्र बताते हुए कहा कि कांग्रेस सत्ता में आते ही इन्हें पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि ठीक वैसे ही जैसे उसने कर्नाटक और तेलंगाना में किया था। उन्होंने विश्वास जताया कि इंदिरा गारंटी केरल में पार्टी की जीत सुनिश्चित करेगी। केरलम में वैसे तो सत्ता बदलने की परंपरा रही है, मगर एलडीएफ ने पिछले चुनाव में पारंपरिक प्रवृत्ति को तोड़ दिया और पी. विजयन के नेतृत्व में लगातार दूसरी बार सत्ता हासिल की थी। वर्तमान परिदृश्य में एलडीएफ अपनी विकास योजनाओं, बुनियादी ढांचे व कल्याणकारी कार्यक्रमों के आधार पर फिर जनसमर्थन जुटाने की कोशिश में है। वहीं, कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ आर्थिक चुनौतियों, बेरोजगारी व प्रशासनिक मुद्दों पर हमलावर है। विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशन आक्रामक हैं। वहीं, सियासी जमीन मजबूत करने में जुटी भाजपा मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने में जुटा है। पिछले चुनाव में उसे एक भी सीट हासिल नहीं हुई थी, लेकिन कई क्षेत्रों में उसका वोट प्रतिशत बढ़ा था।

किसने की गोडावण पक्षी के संरक्षण की पहल?: जयराम रमेश ने केंद्र के दावे पर उठाए सवाल, एक पत्र बना विवाद की जड़

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अहमदाबाद

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड यानी गोडावण के संरक्षण को लेकर देश में एक बार फिर सियासी बहस तेज हो गई है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने केंद्र सरकार पर इस योजना का पूरा श्रेय लेने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इस पक्षी को बचाने की पहल पहले ही शुरू हो चुकी थी, लेकिन अब इसका पूरा क्रेडिट प्रधानमंत्री को दिया जा रहा है। इस पूरे विवाद की शुरुआत तब हुई जब केंद्रीय मंत्री ने गुजरात में एक दशक बाद गोडावण के चूजे के जन्म की जानकारी दी और इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल का नतीजा बताया। इसके बाद जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि 2010 में उन्होंने खुद गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री मोदी को पत्र लिखकर इस पक्षी के संरक्षण के लिए कदम उठाने को कहा था। जयराम रमेश ने बताया कि जब वह पर्यावरण मंत्री थे, तब 9 जून 2010 को उन्होंने गुजरात सरकार को पत्र लिखा था। इस पत्र में कच्छ के घास के मैदानों में गोडावण की घटती संख्या को लेकर चिंता जताई गई थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर तुरंत कदम नहीं उठाए गए, तो यह पक्षी गुजरात से पूरी तरह खत्म हो सकता है। रमेश ने यह भी याद दिलाया कि 1961 में प्रसिद्ध पक्षी वैज्ञानिक सलीम अली ने गोडावण को राष्ट्रीय पक्षी बनाने का सुझाव दिया था क्योंकि यह तेजी से विलुप्त हो रहा था। लेकिन 1963 में भारतीय वन्यजीव बोर्ड ने मोर को राष्ट्रीय पक्षी चुना, जिसके पीछे सांस्कृतिक और धार्मिक कारण बताए गए थे। पर्यावरण मंत्रालय के अनुसार, गुजरात के कच्छ इलाके में अब सिर्फ तीन मादा गोडावण ही बची हैं। नर पक्षियों के खत्म हो जाने के कारण प्राकृतिक तरीके से अंडा बनने की संभावना लगभग खत्म हो चुकी है। यही वजह है कि अब कृत्रिम संरक्षण और नए प्रयोग किए जा रहे हैं। इस बार राजस्थान से एक अंडे को 770 किलोमीटर दूर गुजरात लाया गया। यह यात्रा बिना रुके करीब 19 घंटे में पूरी की गई। अंडे को एक विशेष पोर्टेबल इनक्यूबेटर में रखा गया और कच्छ में मादा गोडावण के घोंसले में रखा गया। 26 मार्च को इस अंडे से चूजा निकला, जिसे अब उसकी 'फोस्टर मदर' पाल रही है। सरकार का कहना है कि संरक्षण केंद्रों में अब गोडावण की संख्या बढ़कर 73 हो गई है। आने वाले समय में इन पक्षियों को फिर से प्राकृतिक वातावरण में छोड़ा जाएगा। विशेषज्ञ मानते हैं कि गोडावण को बचाना शेर और बाघ जितना ही जरूरी है, क्योंकि यह भारत की जैव विविधता का अहम हिस्सा है।

बंगाल में भाजपा आई तो मछली-मीट खाना हो जाएगा बंद': सीएम ममता ने साधा निशाना, लगाए कई गंभीर आरोप

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में सियासी पारा एक बार फिर सातवें आसमान पर पहुंच गया है। इस बार मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य की जनता की थाली और उनकी संस्कृति को ढाल बनाकर भाजपा को घेरा है। उन्होंने कहा कि अगर बंगाल में भाजपा की सरकार बनती है, तो यहां के लोगों का खान-पान पूरी तरह बदल दिया जाएगा। एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए 'दीदी' ने कहा कि भाजपा शासित राज्यों में मछली नहीं खाई जाती है। वहां का माहौल बिल्कुल अलग है। मैं आप सबको सावधान कर रही हूं कि अगर बंगाल में भाजपा सत्ता में आ गई, तो आप लोग यहां चैन से मछली, मांस या अंडा भी नहीं खा पाएंगे। ये लोग अपनी मर्जी का खाना दूसरों पर थोपते हैं। ममता बनर्जी यहीं नहीं रुकीं, उन्होंने आगे कहा कि भाजपा एकतरफा सोच रखने वाली पार्टी है, जो असल में किसी भी धर्म पर विश्वास नहीं करती। सीएम ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि ये लोग सिर्फ और सिर्फ नफरत फैलाने और दंगे भड़काने का काम करते हैं। ये लोग दंगे कराकर ही सत्ता की कुर्सी तक पहुंचते हैं। मासूम और बेगुनाह लोगों की जान लेकर ये लोग सत्ता का सुख भोगते हैं। सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि आज पूरे देश में सबसे ज्यादा आदिवासियों और महिलाओं पर अत्याचार भाजपा शासित राज्यों में ही हो रहे हैं। वहां कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं बची है। बंगाल की अस्मिता और बंगाली प्रवासियों का मुद्दा उठाते हुए ममता बनर्जी ने एक अपील की। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों में हमारे बंगाली बोलने वाले भाई-बहनों को निशाना बनाया जाता है, उन पर हमले किए जाते हैं। लेकिन हमारी सरकार की नीयत साफ है। हम बंगाल में किसी के भी साथ भेदभाव नहीं करते और न ही किसी पर किसी तरह का कोई अत्याचार करते हैं। हम सबको साथ लेकर चलने में विश्वास रखते हैं। ममता बनर्जी ने कहा कि माताओं-बहनों को लक्ष्मी भंडार का पैसा मिल रहा है। ज्रूस्ट रहेगी तभी आपको यह मिलेगा। भाजपा आएगी तो चुनाव से पहले आपको कुछ पैसे देगी लेकिन चुनाव के बाद बंद कर देगी। आपको यह 1 दिन चाहिए या आजीवन चाहिए? हमने इसे आजीवन कर दिया है

पवन ऊर्जा प्रोत्साहन का लाभ वितरण कंपनियों को नहीं, उत्पादकों को मिले, सुप्रीम कोर्ट का फैसला

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बिजली शुल्क (टैरिफ) निर्धारण का पूरा अधिकार राज्य विद्युत नियामक आयोग के पास होता है लेकिन इस अधिकार का इस्तेमाल करते समय सरकार की नीतियों और प्रोत्साहन योजनाओं के उद्देश्य का सम्मान करना जरूरी है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा की अध्यक्षता वाली पीठ ने यह फैसला आंध्र प्रदेश विद्युत नियामक आयोग से जुड़े एक मामले में सुनाया। यह पवन ऊर्जा कंपनियों को मिलने वाले जनरेशन बेस्ड इंसेंटिव से जुड़ा था। सुप्रीम कोर्ट ने वितरण कंपनियों की अपील खारिज कर दी और कहा कि जनरेशन बेस्ड इंसेंटिव का लाभ पवन ऊर्जा उत्पादकों को ही मिलना चाहिए। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में ऐसे मामलों में आयोग को योजनाओं के उद्देश्य को ध्यान में रखकर ही निर्णय लेना चाहिए। योजना वर्ष 2009 में नवीन एवं नवीनीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की तरफ से शुरू की गई थी। इसके तहत पवन ऊर्जा उत्पादकों को प्रति यूनिट बिजली पर 50 पैसे की अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि दी जाती है, ताकि नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा मिल सके। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नियामक आयोग के पास टैरिफ तय करने की पूरी शक्ति है और वह केंद्र या राज्य सरकार द्वारा दी गई सब्सिडी या प्रोत्साहन को भी ध्यान में रख सकता है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि इन प्रोत्साहनों को सीधे टैरिफ से घटा दिया जाए। मामले में आयोग ने टैरिफ तय करते समय जनरेशन बेस्ड इंसेंटिव को शामिल तो किया लेकिन उसकी राशि को टैरिफ से घटाकर उसका फायदा बिजली वितरण कंपनियों को दे दिया। कोर्ट ने इस तरीके को गलत बताया और कहा कि इससे योजना का असली उद्देश्य खत्म हो जाता है। अदालत ने साफ कहा कि ध्यान में रखने (टेक इनटु अकाउंट) का मतलब यह नहीं है कि हर बार प्रोत्साहन को टैरिफ से कम कर दिया जाए। बल्कि यह देखना जरूरी है कि योजना किस उद्देश्य से बनाई गई है। अगर योजना का मकसद बिजली उत्पादकों को बढ़ावा देना है, तो उसका लाभ उन्हीं को मिलना चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि नियामक आयोग को अपने अधिकारों का इस्तेमाल सहयोगात्मक तरीके से करना चाहिए, जिससे कि सरकार की नीतियों और योजनाओं का सही प्रभाव बना रहे। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा कि मुकदमे की सुनवाई शुरू किए बिना ही आरोपी को जेल में रखना सजा के समान है। हत्या की कोशिश के एक मामले में पंजाब के एक व्यक्ति को जमानत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आरोपी ने बिना मुकदमा शुरू हुए ही जेल में दो साल गुजार दिए हैं। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस पीवी वराले की पीठ ने 13 मार्च के अपने आदेश में कहा कि प्रदीप कुमार उर्फ बानू के खिलाफ फरवरी 2024 में हत्या के प्रयास सहित विभिन्न अपराधों के तहत मामला दर्ज किया गया था लेकिन अभियोजन पक्ष ने अभी तक इस मामले से जुड़े 23 गवाहों में से किसी से भी पूछताछ भी नहीं की है। पीठ ने पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के 11 जुलाई, 2025 के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें कुमार की जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। पीठ ने कहा कि अभियोजन पक्ष अपीलकर्ता के खिलाफ लगाए गए आरोपों को साबित करने के लिए 23 गवाहों से पूछताछ किए जाने का प्रस्ताव रखता है, लेकिन अभी तक किसी से भी पूछताछ नहीं की गई है। इसलिए, मुकदमे को पूरा होने में कुछ समय लगने की संभावना है।

पीएम मोदी के काफिले के कारण जाम में फंसे थरूर, बोले- एक इलाके में प्रचार करने के अपने ही खतरे

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा चेन्नई

केरल विधानसभा चुनाव के बीच सियासत अब सड़कों तक पहुंच गई है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काफिले को लेकर तंज कसा है। थरूर ने कहा कि प्रधानमंत्री के काफिले के कारण सड़कों पर जाम लग गया, जिससे उन्हें एक चुनावी कार्यक्रम में देर हो गई। इस बयान के बाद चुनावी माहौल और गरम हो गया है। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री मोदी ने केरल में चुनाव प्रचार को तेज कर दिया है। उन्होंने त्रिशूर और पलक्कड़ में बड़े जनसभाएं कीं और भाजपा के लिए समर्थन जुटाने की कोशिश की। मोदी ने कहा कि केरल में बदलाव की लहर दिख रही है और जनता अब नए विकल्प की ओर देख रही है। उन्होंने एलडीएफ और यूडीएफ पर निशाना साधते हुए विकास की कमी का आरोप लगाया। शशि थरूर ने सोशल मीडिया पर लिखा कि प्रधानमंत्री के काफिले के कारण मुख्य सड़कों पर जाम लग गया। उन्होंने कहा कि एक ही इलाके में चुनाव प्रचार करने की वजह से यह परेशानी हुई। थरूर के इस बयान को भाजपा ने राजनीतिक हमला बताया, जबकि कांग्रेस ने इसे आम लोगों की परेशानी से जुड़ा मुद्दा बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी रैली में कहा कि केरल दो दलों के बीच फंसा हुआ है, जो सिर्फ अपने फायदे के लिए राजनीति करते हैं। उन्होंने एलडीएफ और यूडीएफ पर वोट बैंक की राजनीति का आरोप लगाया। मोदी ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए राज्य में विकसित केरल बनाएगा और इसे मोदी की गारंटी बताया। पलक्कड़ में रैली के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने पारंपरिक चेंडा वाद्य बजाया। इससे उन्होंने स्थानीय संस्कृति से जुड़ने का संदेश देने की कोशिश की। भाजपा इस बार केरल में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए हर स्तर पर प्रयास कर रही है, जिसमें सांस्कृतिक जुड़ाव भी शामिल है। प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य में एनडीए उम्मीदवारों से भी मुलाकात की और उन्हें जीत के लिए रणनीति दी। भाजपा इस चुनाव में अपनी मौजूदगी बढ़ाने के लक्ष्य के साथ मैदान में है। पार्टी का फोकस विकास, रोजगार और बदलाव के मुद्दों पर है। केरल में नौ अप्रैल 2026 को मतदान होगा और चार मई को नतीजे आएंगे। चुनाव में अब सिर्फ कुछ दिन बाकी हैं, इसलिए प्रचार पूरी ताकत से चल रहा है। राज्य में भाजपा, कांग्रेस और वाम दलों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है।

आज एमएलसी पद से इस्तीफा देंगे नीतीश कुमार, जेडीयू विधायक का बड़ा बयान

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सोमवार को बिहार विधान परिषद (एमएलसी) के पद से इस्तीफा देने जा रहे हैं। यह जानकारी जेडीयू विधायक अनंत कुमार सिंह ने दी है। उन्होंने बताया कि पार्टी के कई नेता चाहते थे कि नीतीश कुमार ऐसा कदम न उठाएं, लेकिन मुख्यमंत्री अपने फैसले पर अडिग रहे। दरअसल, हाल ही में नीतीश कुमार को जनता दल (यूनाइटेड) का राष्ट्रीय अध्यक्ष भी चुना गया है। उनके खिलाफ किसी अन्य नेता ने नामांकन नहीं किया, इसलिए उन्हें निर्विरोध अध्यक्ष घोषित कर दिया गया। इस नई जिम्मेदारी के बाद उनका यह इस्तीफा राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है। इससे पहले 5 मार्च को, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यसभा चुनावों के लिए अपना नामांकन दाखिल किया था। अपने फैसले की घोषणा करते हुए उन्होंने एक भावुक संदेश लिखा। उन्होंने बिहार विधानमंडल के दोनों सदनों के साथ-साथ संसद के सदनों का सदस्य बनने की अपनी पुरानी इच्छा व्यक्त की। उन्होंने एक विकसित बिहार बनाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और नई सरकार को अपना सहयोग और मार्गदर्शन देने की बात कही। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने नीतीश कुमार के फैसले का स्वागत किया और संसदीय लोकतंत्र में उनकी वापसी की सराहना की। नीतीश कुमार का राजनीतिक करियर गठबंधन की राजनीति की एक बेहतरीन मिसाल है, जो कई बड़े वैचारिक बदलावों से भरा रहा है। 1985 में एक विधायक के रूप में अपनी यात्रा शुरू करने और बाद में अटल बिहरी वाजपेयी सरकार में केंद्रीय मंत्री के रूप में कार्य करने के बाद, वह पहली बार 2005 में एनडीए के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में बिहार के मुख्यमंत्री पद पर आसीन हुए। हालांकि, 2013 से 2024 तक वे बारी-बारी से भाजपा और महागठबंधन (राजद और कांग्रेस) के बीच आते-जाते रहे। इन बार-बार होने वाले बदलावों के बावजूद, उनका राजनीतिक अस्तित्व बेजोड़ बना रहा; हाल ही में, 2025 में उन्होंने पांचवीं बार जबरदस्त चुनावी जीत हासिल की और रिकॉर्ड तोड़ते हुए दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि नीतीश कुमार के इस फैसले से बिहार में भाजपा की भूमिका और मजबूत हो सकती है। साथ ही भविष्य में मुख्यमंत्री पद को लेकर भी नए समीकरण बन सकते हैं। कुल मिलाकर, सीएम नीतीश कुमार का विधान परिषद से इस्तीफा सिर्फ एक औपचारिक कदम नहीं है, बल्कि इसके पीछे बड़े राजनीतिक बदलावों की संभावना भी छिपी हुई है।

तेलंगाना विधानसभा में हंगामा: बीआरएस के 24 विधायक दो दिनों के लिए निलंबित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा हैदराबाद

तेलंगाना विधानसभा में सोमवार को भारी सियासी ड्रामा देखने को मिला। सदन की कार्यवाही में लगातार बाधा डालने और हंगामा करने के आरोप में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के 24 विधायकों को दो दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया है। इस निलंबन के बाद विपक्षी दल ने सरकार पर लोकतंत्र का गला घोंटने का आरोप लगाया है। दरअसल, पूरे विवाद की जड़ सूबे के राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी पर लगे कथित भ्रष्टाचार और अवैध खनन के आरोप हैं। सोमवार को सदन की कार्यवाही शुरू हुई। मुख्य विपक्षी दल बीआरएस के विधायक इस मुद्दे को लेकर आक्रामक हो गए। विपक्षी सदस्यों ने मांग की कि इन आरोपों की जांच के लिए 'हाउस कमेटी' बनाई जाए। विपक्षी दल ने इस मुद्दे पर स्थगन प्रस्ताव लाने की भी कोशिश की। हालांकि, विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार ने इसे सिरे से खारिज कर दिया। प्रस्ताव नामंजूर किए जाने के बाद विपक्षी विधायक भड़क गए। वे नारेबाजी करते हुए सीधे सदन के बीचों-बीच यानी वेल में आ गए। इस हंगामे की वजह से सदन की कार्यवाही पूरी तरह ठप हो गई। दूसरी तरफ, सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार ने विपक्ष की हाउस कमेटी बनाने की मांग को साफ तौर पर ठुकरा दिया। सत्ता पक्ष के सदस्यों ने दलील दी कि राज्य में 2014 से हो रहे अवैध खनन की जांच के लिए सरकार पहले ही सीबी-सीआईडी जांच के आदेश दे चुकी है, इसलिए अलग से किसी हाउस कमेटी की कोई जरूरत नहीं है। बजट सत्र के दौरान सदन में खूब बवाल हुआ। दोनों तरफ से तीखी नोकझोंक हुई। इस बीच बीआरएस विधायक कौशिक रेड्डी ने कादियम श्रीहरि पर कुछ टिप्पणी कर दी, और इसी ने आग में घी डालने का काम किया। विपक्ष के तेवरों को देखते हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बीआरएस पर जानबूझकर सदन की कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने विपक्षी विधायकों को सस्पेंड करने की मांग की। उन्होंने कहा कि बीआरएस केवल हाउस कमेटी के बहाने अपने कुछ सदस्यों के जरिए मंत्री को ब्लैकमेल करना चाहती है। मुख्यमंत्री ने साफ-साफ कहा कि अगर विपक्ष के पास कोई सबूत है, तो वे उसे सीबी-सीआईडी के सामने पेश करें। स्पीकर ने भी विधायकों से कई बार अपील की। जब वे नहीं माने तो स्पीकर ने हंगामा करने वाले सभी विधायकों को सदन के बाहर का रास्ता दिखा दिया। निलंबित होने वाले विधायकों की लिस्ट में बीआरएस नेता टी हरीश राव, केटी रामा राव ,श्रीनिवास यादव, जगदीश रेड्डी और गंगुला कमलाकर शामिल हैं। तेलंगाना का बजट सत्र 31 मार्च को समाप्त हो रहा है। निलंबन के बाद बीआरएस विधायकों ने विधानसभा परिसर में ही धरने पर बैठकर विरोध दर्ज किया।

नेपाल में चार पूर्व प्रधानमंत्रियों की संपत्ति की जांच शुरू: ओली-देउबा, प्रचंड, माधव कुमार; दीपक खडका गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा काठमांडू

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह उर्फ बालेन के कार्यभार संभालने के तीसरे दिन ही देश के चार पूर्व प्रधानमंत्रियों की संपत्ति की सीआईबी जांच शुरू हो गई है। जांच के दायरे में आए इन पूर्व पीएम में केपी शर्मा ओली, पुष्पकमल दहल प्रचंड, शेरबहादुर देउबा और माधव कुमार नेपाल शामिल हैं। इस बीच, नेपाली कांग्रेस के नेता एवं पूर्व ऊर्जा मंत्री दीपक खडका को सीआईबी ने रविवार सुबह गिरफ्तार कर लिया। नेपाली गृह मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, चारों पूर्व प्रधानमंत्रियों के साथ पूर्व मंत्री आरजू राणा देउबा व दीपक खडका तथा उनके परिवार के नाम पर मौजूद चल-अचल संपत्ति और आय के स्रोतों की भी जांच की जा रही है। इस बीच, शनिवार को गिरफ्तार ओली व पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक को पांच दिनों की पुलिस हिरासत में भेजा गया है। विगत वर्ष जेन-जी आंदोलन के दौरान शेरबहादुर देउबा, ओली, खडका और प्रचंड की बेटी गंगा के आवासों में जले नोटों की तस्वीरें और वीडियो सामने आए थे। तब पुलिस ने जांच शुरू की थी। केंद्रीय जांच ब्यूरो के प्रमुख एआईजी मनोज केसी ने बताया कि संपत्ति शुद्धीकरण जांच विभाग ने खडका को मनी लॉन्ड्रिंग में गिरफ्तार किया गया है। नेपाल की नई सरकार ने 100 सूत्री कार्य योजना के तहत पूर्व राष्ट्राध्यक्षों, वरिष्ठ राजनेताओं व नौकरशाहों की संपत्तियों की जांच के लिए भ्रष्टाचार निवारण आयोग गठित किया है। इसमें कानून, वित्त, राजस्व व अनुसंधान के विशेषज्ञ होंगे और यह प्रधानमंत्री व मंत्रिमंडल के अधीन कार्य करेगा। पहले चरण में 2006 की नेपाली क्रांति के बाद और दूसरे चरण में 1991 से 2006 के बीच अहम पदों पर रहे लोगों की जांच होगी।

मियादी बुखार: देश पर भी पड़ रहा बोझ

इलाज खर्च ने 70 हजार परिवारों को बनाया कर्जदार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

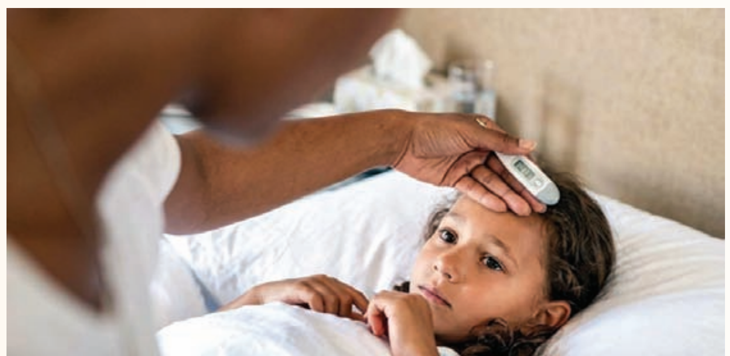

भारत में मियादी बुखार (टाइफाइड) अब सिर्फ एक संक्रामक बीमारी नहीं रह गया है, बल्कि यह हजारों परिवारों को आर्थिक तबाही की ओर धकेलने वाला गंभीर संकट बनता जा रहा है। लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन और वेल्लोर स्थित क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज के वैज्ञानिकों के ताजा अध्ययन के मुताबिक इस बीमारी के कारण देश को हर साल करीब 12,300 करोड़ रुपए का आर्थिक नुकसान हो रहा है, जिसमें 91 फीसदी खर्च सीधे मरीजों और उनके परिवारों को उठाना पड़ता है। इलाज का बढ़ता बोझ ऐसा है कि 70 हजार से अधिक परिवार कैटास्ट्रॉफिक हेल्थ कॉस्ट की स्थिति में पहुंच चुके हैं, जहां उनकी आय का बड़ा हिस्सा केवल इलाज में खर्च हो रहा है। अध्ययन में स्पष्ट हुआ है कि मियादी बुखार का इलाज कई परिवारों के लिए आर्थिक संकट में बदल चुका है। कैटास्ट्रॉफिक हेल्थ कॉस्ट का मतलब है कि परिवार अपनी आय का 40 फीसदी से अधिक हिस्सा इलाज पर खर्च करने को मजबूर हैं। इस स्थिति में उनके लिए भोजन, आवास और रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना भी कठिन हो जाता है। यह अध्ययन प्रतिष्ठित जर्नल द लैंसेट रीजनल हेल्थ: साउथईस्ट एशिया में प्रकाशित हुआ है, जो इस समस्या की गंभीरता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी रेखांकित करता है। रिपोर्ट के अनुसार मियादी बुखार का सबसे अधिक आर्थिक और स्वास्थ्य प्रभाव 10 साल से कम उम्र के बच्चों पर पड़ रहा है। देश में इसके आधे से ज्यादा मामले महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश से सामने आते हैं, जिनमें शहरी क्षेत्र विशेष रूप से ज्यादा प्रभावित हैं। एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेन्स (एएमआर)। टाइफाइड के इलाज में इस्तेमाल होने वाली एंटीबायोटिक दवाएं तेजी से बेअसर हो रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इस प्रतिरोधक क्षमता के कारण कुल इलाज खर्च का 87 फीसदी हिस्सा बढ़ रहा है। जनवरी 2026 में प्रकाशित एक अन्य अध्ययन के अनुसार वर्ष 2023 में भारत में मियादी बुखार के 49,30,326 मामले दर्ज किए गए, जबकि 7,850 लोगों की मौत हुई। इन मामलों का करीब 29 फीसदी बोझ दिल्ली, महाराष्ट्र और कर्नाटक पर रहा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संदीप कुमार के लिए कसाणा प्रिंटिंग प्रेस, नियर बस स्टैंड भिण्डुसी, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301405, से मुद्रित तथा 109, धर्मशाला के पास, वीपीओ- हींगवाहेड़ा, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301411 से प्रकाशित। संपादक, संदीप कुमार Mob- 9414508610 E-mail:- pratigya.alwar@gmail.com पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र अलवर होगा